रोहतक
रविवार, 17 दिसंबर, 2023
मार्गशीर्ष मास शुक्ल पक्ष,
पंचमी वर्ष : 27, अंक : 325
पृष्ठ 16 मूल्य 3 .50

मौसम
अधि. 25.0
न्यून. 4.3

हरिभूमि

हरियाणा, दिल्ली, छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com

09 खेलों इंडिया पैरा खेलों में भुजाहीन खिलाड़ी शीतल ने जीता गोल्ड

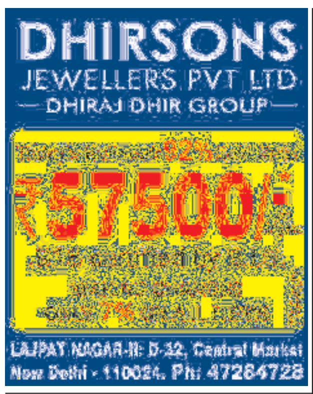

संसद सुरक्षा में चूक: छठा आरोपित गिरफ्तार, 7 दिन के रिमांड पर

आरोपितों से पूछताछ के बाद दिल्ली पुलिस का दावा

संसद में आत्मदाह की भी थी प्लानिंग

भाषा ▶▶| नई दिल्ली

संसद की सुरक्षा में चूक के मामले में दिल्ली पुलिस ने छठे आरोपित महेश कुमावत को भी शनिवार को गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद उसे दिल्ली के पटियाला हाउस कोर्ट में पेश किया, जहां से उसे 7 दिन के पुलिस रिमांड पर भेज दिया। पुलिस के अनुसार मामले में अब तक छह आरोपित पकड़े गए हैं। 13 दिसंबर को 4 आरोपित पकड़े थे, जबकि मास्टरमाइंड ललित झा ने 14 दिसंबर को सरेंडर किया था। विकी शर्मा और उसकी पत्नी राखी को भी हिरासत में लेकर पूछताछ की गई थी। हालांकि बाद में उन्हें छोड़ दिया गया। विकी के गुड़गांव स्थित घर पर ही चार आरोपित रुके थे और यहीं पर प्लानिंग बनाई थी। दूसरी तरफ, संसद में घुसपैठ करने वाले आरोपितों ने पुलिस पूछताछ में खुलासा किया कि उन्होंने संसद में शरीर पर फायरप्रूफ जैल लगाकर आत्मदाह की भी प्लानिंग की थी। संसद में पर्चे फेंकने पर भी विचार किया था। हालांकि काफी विचार के बाद उन्होंने इन दोनों विकल्पों को छोड़ दिया और आखिरकार स्मोक कैनिस्टर से रंगीन धुंआ छोड़ने पर सहमत हुए व बुधवार को ऐसा ही किया।

अब तक ये पकड़े गए

महेश कुमावत
ललित का करीबी दिल्ली से भागने में मदद की 16 दिसंबर को पकड़ा

ललित झा
बिहार का रहने वाला, घुसपैठ का मास्टरमाइंड 14 दिसंबर को सरेंडर किया

मनोरंजन
कर्नाटक का रहने वाला इंजीनियर संसद में घुसा 13 दिसंबर को ही गिरफ्तार

सागर शर्मा
यूपी का रहने वाला 12वीं पास संसद में घुसा 13 दिसंबर को दबोचा गया

अमोल शिंदे
महाराष्ट्र का रहने वाला, संसद के बाहर धुंआ छोड़ा 13 दिसंबर को गिरफ्तार किया

नीलम
जींद की रहने वाली, संसद के बाहर नारेबाजी 13 दिसंबर को ही पकड़ी गई

सागर और मनोरंजन मैसूर से भाजपा सांसद प्रताप सिन्हा के विजिटर पास से संसद में घुसे थे, पुलिस सांसद से भी पूछताछ करने पर कर रही विचार।

सीन रिक्रिएट कराने के लिए दिल्ली पुलिस आरोपितों को जल्द संसद भवन लेकर जाएगी। दोषी बख्शे नहीं जाएंगे।

7 स्मोक केन लेकर घुसे

दिल्ली पुलिस के मुताबिक, लोकसभा की दर्शक दीर्घा से कूदने वाले सागर शर्मा और मनोरंजन एक या दो नहीं, बल्कि 7 स्मोक केन (धुआं फैलाने वाला उपकरण) लेकर गए थे। आरोपियों ने संसद के आसपास के इलाके की गूगल के जरिए रैकी की थी। वे लोग कई चीजों से वाकिफ थे। यही नहीं, संसद का सिक्योरिटी अरेंजमेंट पता करने के लिए उन्होंने पुराने वीडियोज भी देखे थे।

संसद ले जाए जाएंगे

पुलिस संसद से इजाजत लेकर जल्द ही आरोपितों को संसद भवन ले जाकर सीन रिक्रिएट करा सकती है। पुलिस ने मामले में हिरासत में लिए गए महेश कुमवात को भी क्लीन चिट नहीं दी है। महेश पर आरोप है कि उसने मास्टरमाइंड ललित झा को भागने में मदद की थी। दिल्ली पुलिस जल्द ही ललित झा को राजस्थान के नागौर ले जाने की तैयारी कर रही है, जहां फरारी के दौरान ललित रुका था। साथ ही ललित को उस जगह भी ले जाया जाएगा, जहां उसने अपना और अन्य सभी आरोपियों के मोबाइल फोन तोड़े थे। बता दें कि गिरफ्तार सभी आरोपितों को सात दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया गया है।

सिम्हा के बयान दर्ज होंगे

दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल मैसूर से भाजपा सांसद प्रताप सिम्हा के भी बयान दर्ज करने पर विचार कर रही है। बता दें कि सिम्हा ने ही सागर शर्मा और मनोरंजन डी के विजिटर पास को स्वीकृति दी थी।

पहाड़ों पर भारी बर्फबारी से कंपकंपाने लगे मैदान
पारा 4 डिग्री तक गिरा

फिर कोहरे के आगोश में सूबा दृश्यता 10 मीटर तक रही

मौसम विभाग का दावा, 19 दिसंबर तक छाएगी घनी धुंध, शीतलहर चलेगी

हरिभूमि टीम ▶▶| हरियाणा

पहाड़ों पर हो रही भारी बर्फबारी के कारण मैदानी भाग कंपकंपाने लगे हैं। यमुनानगर, कुरुक्षेत्र, अंबाला समेत प्रदेश के कई जिलों में सुबह के समय कोहरा छाया रहा। दृश्यता महज 10 मीटर तक दर्ज की गई। कई जिलों में शीतलहर भी चली। इसके कारण लोग घरों में दुबके रहे। प्रदेश में शनिवार को औसत न्यूनतम तापमान 4.3 डिग्री सेल्सियस तक दर्ज किया गया। वहीं, मौसम विभाग का कहना है कि अभी 19 दिसंबर तक सुबह के समय घनी धुंध लोगों को परेशान करेगी। कड़ाके की ठंड लोगों की कंपकंपी छुड़ा सकती है। तापमान में गिरावट आने से ठिठुरन बढ़ने लगी है।

यमुनानगर में छाया कोहरा

सब्जी की फसलों को नुकसान

सब्जी उत्पादक किसानों का कहना है कि घनी धुंध यदि अगले कुछ दिन तक इसी तरह पड़ती रही तो उनकी आलू व सब्जी की फसलों को भारी नुकसान होगा। वहीं, कृषि वैज्ञानिकों ने सब्जी उत्पादकों को अधिक कोहरा पड़ने के दौरान सब्जी की फसलों में सप्ताह में दो बार सिंचाई करने की सलाह दी। साथ ही उन्होंने अधिक ठंड होना गेहूं की फसल के लिए वरदान बताया है।

कई जिलों में 11 बजे तक छाई रही धुंध

प्रदेश के कई जिलों में सुबह 11 बजे तक कोहरा व धुंध छाई रही। शीतलहर चलने से लोग दोपहर तक घरों में ही दुबके रहे। शनिवार को सुबह से दोपहर तक सड़कों पर धुंध की सफेद चादर छाई रहने से लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ा। धुंध ऐसी की दो फीट की दूरी पर भी सामने वाला दिखाई नहीं दिया। बुजुर्ग व बच्चे रजाई में लिपटे रहे।

इजराइल को 10 हजार श्रमिक देगा हरियाणा

कौशल रोजगार निगम ने निकाली भर्ती
■
1.38 लाख सैलरी, दुबई व यूके में भी 170 वैकेंसी

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हमास से युद्ध झेल रहे इजराइल की मदद के लिए हरियाणा आगे आया है। मदद के रूप में हरियाणा की तरफ से 10 हजार श्रमिक दिए जाएंगे। इनका काम कंस्ट्रक्शन वर्कस का होगा। हरियाणा कौशल रोजगार निगम ने इसके लिए भर्तियां निकाली हैं। इजराइल और हमास में जारी लड़ाई की वजह से इजराइल में इस समय कामगारों की भारी कमी है। जिसके लिए हरियाणा सरकार कुशल श्रमिकों को इजराइल भेजने की तैयारी कर रही है। इन वर्करों को सैलरी के साथ रहने की भी सुविधा दी जाएगी। इजराइल के साथ सरकार की ओर से दुबई और यूके में भी 170 वैकेंसी निकाली गई हैं।

किस पोस्ट के लिए कितने पद

सरकार की ओर से जारी विज्ञापन में इसके लिए आवेदन मांगे गए हैं। इस विज्ञापन में बिल्डिंग फ्रेमवर्क करने वालों के 3000 पद, सेरेमिक टाइल्स लगाने वाले 2000 पद, दीवारों पर प्लास्टर करने वाले 2000 पद, आयरन बेंडिंग करने वाले 3000 पद शामिल हैं। सभी भारतीयों के लिए न्यूनतम शिक्षा 10वीं पास रखी गई है, जबकि आवेदक के पास 3 साल का अनुभव भी होना चाहिए। इनकी उम्र 25 से 45 साल के बीच होनी जरूरी है।

1.38 लाख मिलेगी सैलरी

इन वर्कर को हर महीने इजराइली करेंसी हिसाब से 6100 न्यू इजरायली शेकेल एनआईएस मिलेंगे, जो भारतीय करंसी में करीब 1,38,235 रुपये बनते हैं। महीने में 26 दिन काम करना होगा और इसके इसके लिए 236 घंटे प्रति महीना निर्धारित किए गए हैं। ओवरटाइम कंपनी के नियमों के हिसाब से होगा। इसके अलावा सरकार ने दुबई के लिए 40 बाउंसर और यूके के लिए 120 नर्सों के आवेदन भी मांगे हैं।

1971 युद्ध के शहीदों को राष्ट्र ने दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली (भाषा)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के नेतृत्व में देशवासियों ने वर्ष 1971 के युद्ध के शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस युद्ध से दक्षिण एशिया का राजनीतिक मानचित्र बदल गया और लाखों बांग्लादेशी लोगों पर पाकिस्तानी सेना द्वारा की गई हिंसा का अंत हुआ था। आज ही के दिन यानी 16 दिसंबर, 1971 को 90,000 से अधिक पाक सैनिकों के आत्मसमर्पण के बाद युद्ध में शानदार जीत के परिणामस्वरूप एक स्वतंत्र देश के रूप में बांग्लादेश का जन्म हुआ था। (पेज-8 भी देखें)

बीएसएफ का दावा, पाकिस्तान में लॉन्चपैड में रह रहे दहशतगर्द

सीमा पार से 250-300 आंतकी भारत में घुसपैठ की फिराक में, सुरक्षा बल सतर्क

श्रीनगर (भाषा)। नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पार पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में स्थित लॉन्च पैड पर करीब 250 से 300 आतंकवादी जम्मू-कश्मीर में घुसपैठ की फिराक में हैं। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के महानिरीक्षक अशोक यादव ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सुरक्षा बल सतर्क हैं और सीमा पार से किसी भी घुसपैठ की कोशिश को नाकाम कर देंगे। 'खुफिया जानकारी मिली है कि 250-300 आतंकवादी लॉन्च पैड पर घुसपैठ का इंतजार कर रहे हैं, लेकिन हम और सेना सभी संवेदनशील स्थानों पर कड़ी नजर रख रही है और हम सतर्क हैं।' उन्होंने कहा कि बीएसएफ और सेना के बहादुर जवान सीमावर्ती इलाकों में सतर्क हैं और घुसपैठ की किसी भी कोशिश को नाकाम कर देंगे।

■
सुरक्षा हाईअलर्ट पर, बीएसएफ ने कहा, हम निपटने को तैयार, घुसपैठ की हर कोशिश को नाकाम करेंगे

सीमा पर बीएसएफ ने 20 करोड़ की हेरोइन बरामद की

बाड़मेर। बीएसएफ ने भारत-पाक अंतरराष्ट्रीय सीमा के केलनोर इलाके में हेरोइन की बड़ी खेप बरामद की है। सीमापार से आया तस्कर तारबंदी के पास इसे रख गया। इस 6 किलो हीरोइन की कीमत 20 करोड़ रुपये आकी गई है। देर रात खुरा चेकिंग के दौरान जवानों को बॉर्डर के पास फुटप्रिंट नजर आए थे। इन फुटप्रिंट्स का पीछा किया गया तो फेंसिंग के पास पेड़ के नीचे पीले रंग के प्लास्टिक टेप लगे पैकेट्स नजर आए। इन पैकेट्स से हेरोइन बरामद की गई। मामला 15 दिसंबर शुक्रवार रात बाड़मेर के बभूतों की ढाणी बीजराड़ पुलिस थाने का है।

हिसार के आर्मी लेफ्टिनेंट की सड़क हादसे में मौत

जालंधर के पास कार बेकाबू होकर पलटी
राजस्थान का कैप्टन घायल

जालंधर। पंजाब में जालंधर के पास पतारा में हुए भीषण सड़क हादसे में हिसार निवासी आर्मी के एक लेफ्टिनेंट की दर्दनाक मौत हो गई। उसके साथ गाड़ी में मौजूद आर्मी के एक कैप्टन की हालत गंभीर बनी हुई है। हादसे में जान गंवाने वाले लेफ्टिनेंट की पहचान अच्छित के रूप में हुई जो मूल रूप से हिसार के रहने वाले थे। वहीं, हादसे में घायल कैप्टन का नाम युवराज है जो राजस्थान में नागौर के रहने वाले हैं। उनका इलाज जालंधर के मिलिट्री अस्पताल में चल रहा है। मौके पर पहुंची पुलिस ने आर्मी लेफ्टिनेंट अच्छित का शव पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवा दिया गया है।

हरियाणा न्यायिक परीक्षा प्रश्न पत्र लीक मामला

दिल्ली हाईकोर्ट का आरोप खारिज करने से इनकार

कोर्ट ने कहा, ऐसे मामलों में डिजिटल और इलैक्ट्रोनिक साक्ष्य मौजूद
मामले को प्रारंभिक चरण में नहीं छोड़ सकते, जज बोले, मुझे निचली कोर्ट के आदेश में खामी नहीं मिली

नई दिल्ली (भाषा)। दिल्ली हाईकोर्ट ने 2017 के हरियाणा लोक सेवा (न्यायिक) प्रारंभिक परीक्षा प्रश्नपत्र लीक प्रकरण से संबंधित मामले में पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के पूर्व अफसर के खिलाफ तय आरोप खारिज करने से इनकार कर दिया है। उच्च न्यायालय ने कहा कि ऐसे मामलों में जहां डिजिटल या इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य उपलब्ध हैं, अभियोजन पक्ष के मामले को प्रारंभिक चरण में नहीं छोड़ा जा सकता है। अदालत ने कहा कि मामले के रिकॉर्ड से संकेत मिलता है कि प्रश्नपत्र कथित तौर पर लीक होने से ठीक पहले याचिकाकर्ता-अभियुक्त डॉ. बलविंदर कुमार शर्मा के पास था। शर्मा उस समय पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय के रजिस्ट्रार (भर्ती) थे। न्यायमूर्ति दिनेश कुमार शर्मा ने कहा, मामला बहुत संवेदनशील प्रकृति का है मुझे निचली अदालत के आदेश में कोई खामी नहीं मिली।

खबर संक्षेप

28 को अंबाला में पेंशन अदालत

चंडीगढ़। अंबाला के मुख्य डाक मंडल कार्यालय में 28 दिसंबर गुरुवार को सुबह साढ़े 11 बजे अंबाला मंडल के पेंशनर्स कर्मियों के लिए पेंशन अदालत का आयोजन किया जाएगा। जिसमें पेंशन से संबंधित मामलों पर सुनवाई की जाएगी। प्रदेश में डाक विभाग की पेंशन से संबंधित शिकायतें 20 दिसंबर तक अंबाला मंडल कार्यालय में सहायक निदेशक मेल आईडी adirvr.dop@amail]com या डाक से भेजी जा सकती हैं। डाक विभाग छमाही आधार पर पेंशन संबंधित शिकायतों के समाधान के लिए नियमित रूप से पेंशन अदालत का आयोजन करता है। विभाग की तरफ से जारी एक बयान में यह जानकारी दी गई।

प्रदेश में अराजकता का माहौल : अभय चौटाला

चंडीगढ़/ शाहबाद। इनेलो के प्रधान महासचिव अभय सिंह चौटाला द्वारा 24 फरवरी को शुरू की गई परिवर्तन पदयात्रा के दूसरे चरण में परिवर्तन रथयात्रा शनिवार को कुरुक्षेत्र जिला के हलका शाहबाद पहुंची। चौटाला ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा भाजपा ने वादों को पूरा नहीं किया, जिससे प्रदेश में अराजकता फैली हुई है।

बदलाव यात्रा को मिल रहा अपार समर्थन : चित्रा

पंचकूला। शनिवार को आम आदमी पार्टी की बदलाव यात्रा के अंतर्गत प्रदेश उपाध्यक्ष चित्रा सरवारा ने पंचकूला में कार्यकर्ताओं से मुलाकात की और पार्टी की नीतियों के बारे में बताया। सेक्टर 20 में आम आदमी पार्टी की राष्ट्रीय परिषद के सदस्य सुरेंद्र राठी के कार्यालय में पत्रकारों से बातचीत में चित्रा सरवारा ने कहा कि बदलाव यात्रा के दौरान लोगों को पार्टी के साथ जोड़ा जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने विशेष चर्चा के दौरान किसानों से किया संवाद

बाढ़ प्रभावित किसानों को दिया 112 करोड़ रुपये का मुआवजा

किसान अफ्रीकी देशों में जमीन लेकर खेती करें, इसके लिए सरकार बना रही योजना

पराली से बिजली बनाने के लिए कुरुक्षेत्र कैथल, फतेहाबाद व जींद में परियोजना

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ चंडीगढ़

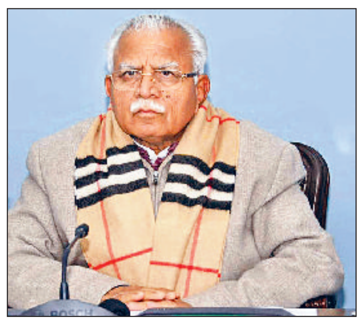

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि प्रदेश के किसान कड़ी मेहनत करके देश को खाद्यान्नों में आत्मनिर्भर बनाने में अहम योगदान दे रहे हैं। वर्तमान राज्य सरकार किसानों की हितैषी है। सरकार ने बाढ़ से प्रभावित किसानों को मुआवजा दिया है। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में दोबारा से फसलों की बिजाई करने वाले किसानों को प्रति एकड़ सात हजार रुपये का मुआवजा दिया है। प्राकृतिक आपदा से खराब हुई फसलों के लिए किसानों को पिछली सरकार ने 10 हजार रुपये प्रति एकड़ मुआवजा राशि दी जाती थी, उसे बढ़ाकर 15 हजार रुपये प्रति एकड़ किया गया है। पिछले साढ़े नौ वर्षों में प्रदेश सरकार की ओर से किसानों को 11 हजार करोड़ रुपये की मुआवजा राशि दी है, जिसमें पिछली सरकार की बकाया 269 करोड़ रुपये की मुआवजा राशि भी शामिल है। सरकार ने प्राकृतिक आपदाओं से नुकसान के सत्यापन और प्रभावित लोगों को मुआवजे के वितरण की प्रणाली में पारदर्शिता लाने के लिए क्षतिपूर्ति पोर्टल शुरू किया था, जोकि कारगर साबित हुआ है। पराली का उपयोग कर बिजली बनाने के लिए कुरुक्षेत्र, कैथल, फतेहाबाद एवं जींद में बायोमास परियोजनाएं शुरू की गई, जिनसे 30 मेगावाट विद्युत उत्पन्न हो रही है। इसके अलावा, पराली का उपयोग जैव ईंधन बनाने में भी किया जा रहा है। पानीपत रिफाइनरी में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 10 अगस्त, 2022 को 2जी इथेनॉल प्लांट का लोकार्पण किया था। 2जी के बाद अभी 3जी प्लांट भी पानीपत रिफाइनरी में लग गया है, जो दुनिया का पहला रिफाइनरी ऑफ गैस आधारित 3जी इथेनॉल प्लांट होगा। 2जी इथेनॉल प्लांट में पराली की खपत सुनिश्चित करने के लिए 1,000 रुपये प्रति एकड़ की दर से अतिरिक्त प्रोत्साहन राशि दी जा रही है मुख्यमंत्री शनिवार यहां सीएम की विशेष चर्चा कार्यक्रम के तहत ऑडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से किसानों से संवाद कर रहे थे मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा शुरू की गई 'पी.एम. किसान सम्मान निधि योजना' की 15वीं किस्त के लाभार्थी किसान भी आज हमारे साथ जुड़े हुए हैं। प्रदेश के 8 लाख 74 हजार किसानों को किस्त के तौर पर 175 करोड़ रुपये मिले हैं। उन्होंने बताया कि गोशालाओं में भी पराली की खपत को प्रोत्साहित करने के लिए 500 रुपये प्रति एकड़ की दर से अधिकतम 15 हजार रुपये प्रोत्साहन राशि देने का प्रावधान किया गया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में खेती की जमीन कम हो रही है। सरकार की अफ्रीकी देशों से बात हुई है। हमारे किसान वहां जाकर खेती कर सकेंगे। इसके लिए सरकार योजना बना रही है।

- पीएम किसान सम्मान निधि योजना की 15वीं किस्त में 8 लाख 74 हजार किसानों को 175 करोड़ रुपये मिले

किसानों ने पराली प्रबंधन की अच्छी मिसाल पेश की

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे किसानों ने पराली प्रबंधन की अच्छी मिसाल पेश की है। पराली प्रबंधन में हरियाणा आदर्श राज्य बना है। प्रदेश में पराली जलाने की कम घटनाएं हुई हैं। इसके लिए किसान बधाई के पात्र हैं। गत दिनों प्रदूषण के एक मामले की सुनवाई करते हुए सर्वोच्च न्यायालय ने भी पंजाब सरकार को कहा कि खेतों में आग लगाने की घटनाओं को कम करने के लिए हरियाणा से सीखो। प्रदेश में पराली जलाने के मामलों में हरियाणा में 36.4 प्रतिशत की कमी आई है, जबकि पंजाब में 27.1 प्रतिशत की ही कमी दर्ज की गई है। आई.सी.ए.आर. की गत 22 नवंबर तक की रिपोर्ट के अनुसार हरियाणा में पराली जलाने के 2,239 मामले प्रकाश में आए हैं, जबकि हमारे पड़ोसी राज्य पंजाब में 36,118 मामले हुए हैं।

बिजाई से लेकर बिक्री तक किसानों की मदद

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार किसानों के कल्याण व उत्थान के लिए पूरी तरह समर्पित है। इस दिशा में खेत में बीज बोने से लेकर मंडी में फसल की बिक्री तक हर कदम पर सरकार ने किसानों की मदद की है। उन्होंने बताया कि इसी साल जुलाई महीने में बाढ़ के कारण 12 जिलों में 1469 गांव और 4 शहर प्रभावित हुए थे। इन जिलों में अंबाला, फतेहाबाद, फरीदाबाद, कुरुक्षेत्र, कैथल, करनाल, पंचकुला, पानीपत, पलवल, सोनीपत, सिरसा और यमुनानगर शामिल हैं। सरकार ने बाढ़ पीड़ितों को पूरा सहयोग किया है। 112 करोड़ 21 लाख रुपये की मुआवजा राशि दी है। फसल खराब के लिए 34 हजार 511 किसानों को 97 करोड़ 93 लाख 26 हजार रुपये की राशि प्रदान की गई है।

एम्स को एनएच-11 से जोड़ने के लिए आरओबी के निर्माण को मंजूरी

चंडीगढ़। कनेक्टिविटी को आगे बढ़ाने और स्वास्थ्य सेवा बुनियादी ढांचे को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल ने आज यहां एम्स को रेवाड़ी - नारनौल रोड (एनएच-11) से जोड़ने के लिए आरओबी के निर्माण की प्रशासनिक मंजूरी दी। रेवाड़ी नारनौल रेलवे लाइन और रेवाड़ी नारनौल डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर कारपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड लाइन पर 251.08 करोड़ रुपये की लागत से एक रेलवे ओवरब्रिज का निर्माण करवाने से रेवाड़ी जिले में बनने वाले अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) को अत्याधुनिक पहुंच प्रदान की जाएगी।

रेवाड़ी में 18.39 करोड़ से बनेगा निर्माण सदन

चंडीगढ़। मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल ने रेवाड़ी जिले में निर्माण सदन के निर्माण के लिए प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की है। इस संबंध में एक सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि इंजीनियर-इन-चीफ (ईआईसी) द्वारा प्रस्तावित परियोजना की अनुमानित लागत कुल 18.39 करोड़ रुपये है। बजट में निर्माण के विभिन्न पहलुओं को शामिल किया गया है, जिसमें भवन के हिस्से, नींव के प्रावधान, सुरक्षा उपाय और भू-निर्माण शामिल हैं।

वर्ल्ड कबड्डी का प्रतिनिधिमंडल मुख्यमंत्री मनोहर से मिला

चंडीगढ़। हरियाणा के पारंपरिक खेल कबड्डी को विश्व स्तर पर पहचान दिलाने के प्रयास किए जा रहे है। इसके लिए शनिवार को 'वर्ल्ड कबड्डी' नामक संस्था के प्रतिनिधि मंडल ने हिपसा अध्यक्ष के साथ नई दिल्ली स्थित हरियाणा भवन में मुख्यमंत्री मनोहर लाल से औपचारिक भेंट कर हरियाणा को कबड्डी विशेषकर महिला कबड्डी को बढ़ावा देने में लीड करने का आग्रह किया है। प्रतिनिधि मंडल में वर्ल्ड कबड्डी संस्था के अध्यक्ष अशोक दास , महासचिव एसटी अरासू व कवल राज , उपाध्यक्ष डा. ओसामा सैद हाशम , कार्यकारिणी सदस्य परपेचुअल म्बूतु शामिल थे। इस मौके पर होलिस्टिक इंटरनेशनल प्रवासी स्पोर्टस एसोसिएशन की अध्यक्ष कांथि डी सुरेश व अन्य मौजूद रहे।

ऑनलाइन ट्रांसफर पोर्टल खोलने की मांग

चंडीगढ़। शिक्षक तबादला करवाओ संघर्ष समिति ने एक बार फिर से प्रदेश के शिक्षा मंत्री और मुख्यमंत्री को स्मरण-पत्र भेजकर याद दिलाया कि ऑनलाइन ट्रांसफर पोर्टल को अब खोला जाए क्योंकि अब ऑनलाइन ट्रान्सफर पोर्टल चलेगा तभी तो सत्र के शुरू में तबादले हो पाएंगे। उपरोक्त मांग संघर्ष समिति राज्य प्रधान कृष्ण कुमार निर्माण,राज्य सचिव रामनिवास संगोही,प्रेस प्रवक्ता ऋषिराज नरवाल ने की और पत्र के माध्यम से मुख्यमंत्री और शिक्षा मंत्री से मिलने का समय भी मांगा है।

स्कूलों पर गलतबयानी कर रही सरकार : सैलजा

चंडीगढ़। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी राष्ट्रीय महासचिव एवं हरियाणा कांग्रेस कमेटी पूर्व प्रदेशाध्यक्ष सैलजा ने कहा कि मुख्यमंत्री ने विधानसभा के शीतकालीन सत्र में कहा कि सरकारी स्कूलों में सभी मूलभूत सुविधाएं दी गई है जबकि पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट ने सरकारी स्कूलों में सुविधाओं को लेकर सरकार को खरी खरी सुनाई है। ऐसे में मुख्यमंत्री ने गलत बयान देकर न केवल विधानसभा को बल्कि हाईकोर्ट को भी गुमराह करने का काम किया है। एक झूठ को छिपाने के लिए सरकार बार-बार झूठ बोले जा रही है।

महिला सुरक्षा के मुद्दे पर राजनीति कर रही सरकार : गुप्ता

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ चंडीगढ़

आम आदमी पार्टी ने प्रदेशस्तरीय बदलाव यात्रा के दूसरे दिन महिला सुरक्षा को लेकर सरकार को घेरा। दूसरे दिन प्रदेश अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद डॉ. सुशील गुप्ता फरीदाबाद में रहे। प्रदेश प्रचार समिति के अध्यक्ष डॉ. अशोक तंवर सिरसा, वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष अनुराग ढांडा नारनौल और प्रदेश उपाध्यक्ष चित्रा सरवारा अंबाला में रहीं। डॉ. सुशील गुप्ता ने कहा कि प्रदेश में दिन प्रतिदिन महिलाओं, बेटियों और बच्चियों के प्रति अपराध बढ़ रहे हैं। सरकार महिला सुरक्षा के मुद्दे पर राजनीति कर रही है। महिलाओं की सुरक्षा के प्रति सरकार की असंवेदनशीलता लगातार बढ़ती जा रही है। महिलाएं डर के साए में जीने को मजबूर हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार के आंकड़ों के अनुसार हरियाणा महिलाओं की सुरक्षा को लेकर पूरे देश में नीचे से पहले नंबर पर हैं। उन्होंने कहा कि जींद के एक गांव के सरकारी स्कूल में प्रिंसिपल लगातार छात्राओं को प्रताड़ित करता रहा। जिससे स्थिति का पता चलता है।

साइबर अपराधों के 37% मामले अकेले गुरुग्राम में

5 साल में 11 गुणा बढ़े साइबर ठगी के मामले

योगेंद्र शर्मा ▶▶ चंडीगढ़

सादगी और मोटा खाने पहनने के लिए प्रसिद्ध हरियाणा की माटी पर अब साइबर अपराधों की कमी नहीं है। विशेष तौर पर हरियाणा एनसीआर के जिलों में बड़ी संख्या में साइबर अपराध हो रहे हैं। खास बात यह है कि एनसीआर ही नहीं हरियाणा के हर जिले में लगातार बुजुर्गों, महिलाओं और युवाओं के साथ ठगी हो रही है। इस बार हरियाणा विधानसभा शीतकालीन सत्र में बढते अपराध की घटनाओं और लॉ एंड ऑर्डर की स्थित को लेकर पहले ही दिन मामला उठ चुका है। पिछले कुछ माह में साइबर क्राइम की घटनाओं में व्यापक स्तर बढ़ोतरी होने से पुलिस अफसरों में चिंता में व्याप्त है। यहां पर उल्लेखनीय है कि हरियाणा मेवात इलाके को साइबर क्राइम की घटनाओं के कारण देश भर में दूसरे जामताड़ा के नाम से जाना जाने लगा है।

आंकड़ों पर गौर करें तो पांच साल की अवधि में हरियाणा में साइबर क्राइम के मामलों में 11 गुना तक बढ़ोतरी हुई है, इस बात से स्थिति की गंभीरता का अंदाजा सहज ही लगाया जा सकता है। साल 2019 में हरियाणा में साल भर में साइबर क्राइम की 9900 घटनाएं रिपोर्ट हुई हैं, तो साल 2023 में एक साल से भी कम समय की अवधि में साइबर ठगी के एक लाख से भी ज्यादा मामले रिपोर्ट हो चुके हैं।

हर माह चार हजार मामले हो रहे दर्ज

हरियाणा में हर महीने साइबर ठगी के करीब 4 हजार मामले हो रहे हैं। साल 2019 से लेकर अब तक 8 दिसंबर 2023 तक करीब 59 माह की अवधि में 2,34,983 साइबर ठगी के मामले रिपोर्ट हुए । हरियाणा में हर माह करीब 4 हजार और हर रोज 100 से 150 साइबर ठगी के केस रिपोर्ट हो रहे हैं जिन पर अंकुश लगाए जाने की जरूरत है। हरियाणा में साल 2019 में साइबर ठगी के 9900 मामले रिपोर्ट हुए थे जिनकी संख्या साल 2020 में बढ़कर 20,440 हो गई। इसके बाद साल 2021 में साइबर ठगी के 29,810 मामले रिपोर्ट हुए। साल 2022 में 66,784 साइबर ठगी के मामले रिपोर्ट हुए। वहीं साल 2023 में अब तक 1,08,055 मामले रिपोर्ट हो चुके हैं।

गुरुग्राम हॉटस्पॉट, 87 हजार से ज्यादा मामले रिपोर्ट

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली से सटा गुरुग्राम जिला साइबर ठगों के निशाने पर है। हरियाणा में रिपोर्ट हुए कुल 2,34,989 घटनाओं में से 87,382 तो गुरुग्राम में घटित हुई हैं। इस लिहाज से साइबर क्राइम की कुल घटनाओं में से 37 फीसदी से ज्यादा तो अकेले गुरुग्राम में रिपोर्ट हुई हैं। साइबर क्राइम की घटनाओं का ग्राफ गुरुग्राम में तेजी से बढ़ा है। गुरुग्राम में साल 2019 में साइबर क्राइम के कुल 8623 मामले रिपोर्ट हुए। इसके बाद 202 में 11800, 2021 में 14450, साल 2022 में 20852 और इस साल 8 दिसंबर 2023 तक 31647 मामले अब तक रिपोर्ट हो चुके हैं। पांच साल के तुलनात्मक आंकड़े से साफ पता चलता है कि गुरुग्राम में पांच साल में साइबर क्राइम की घटनाओं में करीब 10 फीसद तक बढ़ोतरी हुई है।

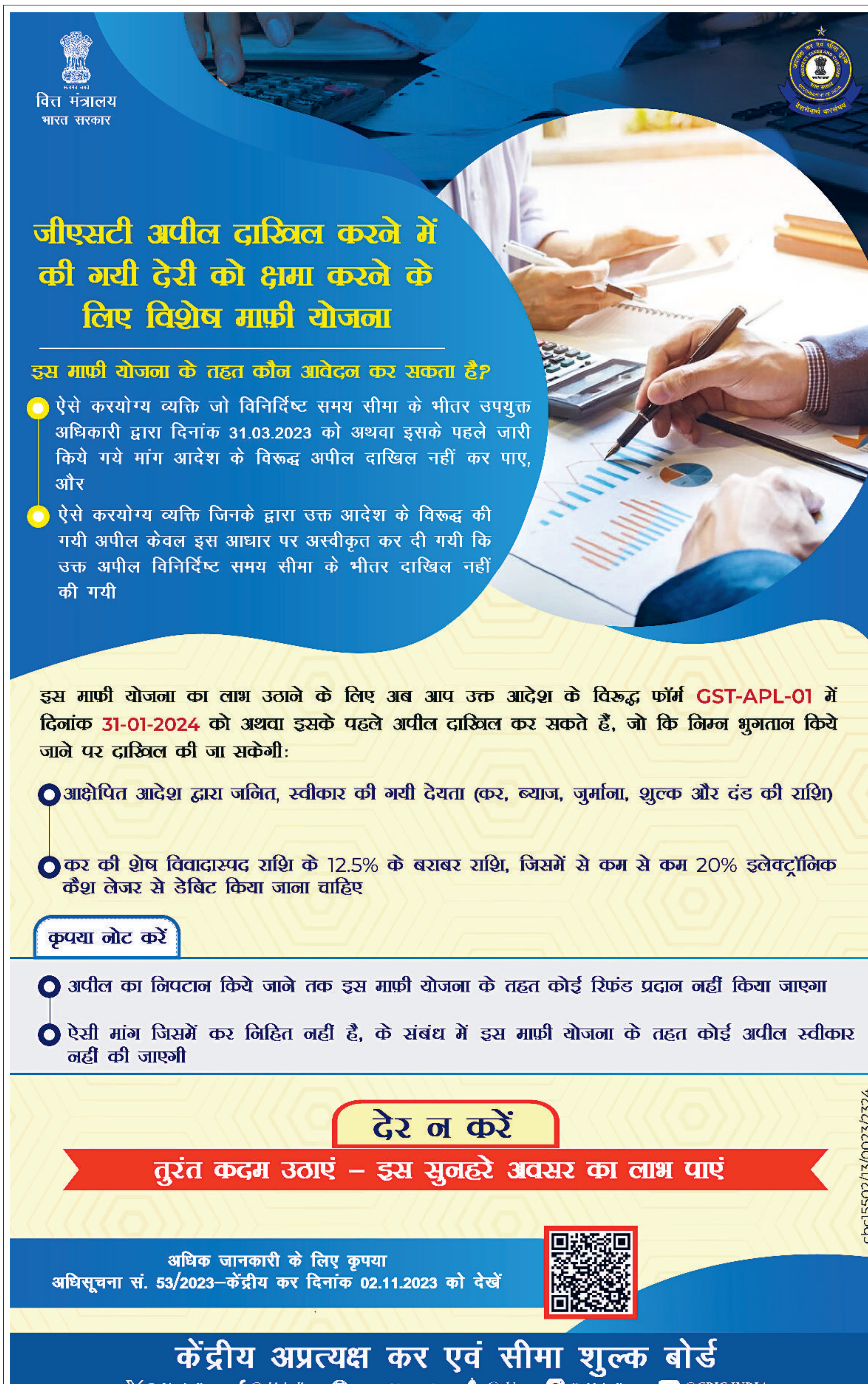

अन्तर्राष्ट्रीय
गीता
महोत्सव
2023
हरियाणा सरकार
अध्यात्म, संस्कृति एवं कला का दिव्य संगम
7-24 दिसम्बर, 2023
कुरुक्षेत्र, हरियाणा
अन्तर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव
शुभारम्भ
17 दिसम्बर, 2023
मुख्य अतिथि
श्री जगदीप धनखड़
माननीय उप-राष्ट्रपति, भारत
गरिमामयी उपस्थिति
श्री मनोहर लाल
मुख्यमंत्री, हरियाणा
मुख्य कार्यक्रम
हरियाणा एवं भागीदार प्रदेश असम के पैवेलियन का शुभारम्भ
अन्तर्राष्ट्रीय गीता संगोष्ठी का उद्घाटन
"सभी देशवासियों को गीता जयंती की अनंत शुभकामनाएं। श्रीमद्भगवद्गीता सदियों से मानवता का मार्गदर्शन करती आई है। अध्यात्म और जीवन-दर्शन से जुड़ा यह महान ग्रंथ हर युग में पथ प्रदर्शक बना रहेगा।"
- नरेन्द्र मोदी
कार्यक्रम की जानकारी के लिए
पोर्टल पर जाएं अथवा क्यू आर कोड स्कैन करें
www.internationalgitamahotsav.in
www.48koskurukshetra.com
सूचना, लोक सम्पर्क, भाषा तथा संस्कृति विभाग, हरियाणा
www.prharyana.gov.in | Follow us on @diprharyana

खबर संक्षेप

सरकारी अस्पताल से फरार बंदी गिरफ्तार

अंबाला। चंडीगढ़ के सेक्टर 32 स्थित सरकारी अस्पताल से फरार बंदी गगनदीप सिंह को पुलिस ने काबू कर लिया है। पूछताछ के लिए चंडीगढ़ पुलिस भी आरोपी को हिरासत में लेगी। अस्पताल से फरार होने पर उसके खिलाफ केस दर्ज किया गया था। आरोपी अस्पताल की तीसरी मंजिल से कूदकर फरार हो गया था। पुलिस के मुताबिक फरार होने के बाद आरोपी शंभू बॉर्डर के पास एक गुरुद्वारे में झूठ बोलकर छिपा हुआ था। उसे शहजादपुर सीआईए की टीम ने गुरुद्वारे से काबू किया है।

नशा तस्कर बाप-बेटे अफीम सहित दबोचे

फतेहाबाद। नशा तस्करों की धरपकड़ करते हुए फतेहाबाद पुलिस ने रतिया व फतेहाबाद में कार्यवाही करते हुए बाप-बेटे को भारी मात्रा में अफीम सहित काबू किया है। पुलिस ने रतिया से बड़ोपल के व्यक्ति को काबू कर उससे 256 ग्राम अफीम बरामद की वहीं घर में छापेमारी कर उसके लड़के को 701 ग्राम अफीम सहित काबू किया है। पकड़े गए युवकों की पहचान गांव बड़ोपल निवासी राजेन्द्र व सुखदेव के रूप में हुई है।

चार नकाबपोश लोगों ने घटना को दिया अंजाम

किलोई में बदमाशों ने परिवार को बंधक बनाकर पांच लाख रुपये व जेवर लूटे

- पड़ोसियों ने ताला तोड़कर परिवार को बाहर निकाला, पुलिस ने सीमा की शिकायत पर दर्ज किया केस

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

नकाबपोश बदमाशों ने किलोई में स्थित मकान में घुसकर हथियारों के बल पर परिवार को बंधक बना लिया। बदमाशों ने परिवार से मारपीट कर कमरे में लॉक कर दिया। इसके बाद वे पांच लाख रुपये व जेवर समेत अन्य सामान लूट कर फरार हो गए। आसपास के लोगों ने मकान का ताला तोड़कर लोगों को बाहर निकाला और पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके का निरीक्षण कर जांच शुरू कर दी है। एसपी ने मामले में कार्रवाई के लिए चार टीमों का गठन कर दिया है।

पुलिस को दी शिकायत में सीमा ने बताया ने बताया कि गांव किलोई निवासी जयसिंह और उनकी पत्नी प्रेमो देवी घर पर अकेले रहते हैं। उनका बेटा जयभवान गुरुग्राम के एक अस्पताल और पुत्रवधु सीमा मेवात सरकारी अस्पताल में स्वास्थ्य कर्मी हैं। सीमा ने बताया कि वो कुछ दिन की छुट्टी पर हैं। इसलिए गांव में अपने सास-ससुर के पास बेटे तनिष्क के साथ आई हुई थी। शुक्रवार-शनिवार की रात वो और तनिष्क अंदर के कमरे में सो गए थे। वहीं उसके सास-ससुर बाहर वाले कमरे में सोए थे। सीमा के अनुसार रात डेढ़ बजे के करीब बदमाशों ने उनके घर का गेट खुलवाया। उसकी सास प्रेमो ने समझा कि जयभगवान आया है। उसे भी अलसुबह गांव आना था। लेकिन गेट खोलते ही चार नकाब पहने बदमाश अंदर आ गए। उन्होंने प्रेमो और जयसिंह के साथ मारपीट की। बदमाश हथियारों के बल पर घर से कैश और गहने ले गए।

रोहतक। घटना के बाद घर के बाहर जुटी लोगों की भीड़। फोटो : हरिभूमि

डेढ़ बजे खटखटाकर खुलवाया गेट

सीमा ने बताया कि रात को करीब एक-डेढ़ बजे गेट का दरवाजा खटखटाया जब बाहर आई तो मारपीट शुरू कर दिए। उसे भी मारपीट करके सास-ससुर वाले कमरे में डाल दिया। आरोपी चेहरे पर कपड़े ढंके हुए थे। उन्हें कमरे में बंद कर दिया। वहीं, बदमाशों ने अंदर अलमारी, संदूक आदि में रखे जेवरात, नकदी लूट ली।

ये सामान ले गए

पुलिस को दी शिकायत में सीमा ने बताया कि बदमाश 2 सोने की चेन व लॉकेट, सोने की चार कानों की बाली, चार जोड़ी सोने की अंगूठी, एक गले का सेट, 2 सोने के कड़े, एक चांदी की अंगूठी, सास के जेवरात, जिनमें 1 सोने की चेन, 2 जोड़े कानों के, सोने की अंगूठी, 10 चांदी के सिक्के, 5 लाख रुपये कैश, 2 मोबाइल लूटकर ले गए।

पुलिस ने 4 टीमें बनाई

लूट की वारदात को सुलझाने के लिए पुलिस ने 4 टीमें बनाई गई हैं। सीआईए, साइबर एंटी व्हीकल थेफ्ट के सहयोग से आरोपियों की तलाश की जा रही है। वहीं, परिवार वालों से पूछताछ करके आरोपियों तक पहुंचने का प्रयास किया जा रहा है। जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।
-मुरारी लाल, सदर थाना प्रभारी

सामान्य अस्पताल की बत्ती गुल, जनरेटर भी नहीं चला

चरखी-दादरी में मोबाइल टार्च की रोशनी में डिलीवरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| चरखी-दादरी

शुक्रवार रात चरखी दादरी के सामान्य अस्पताल में एक महिला ने मोबाइल टॉर्च की रोशनी में बच्चे को जन्म दिया। दरअसल डिलीवरी के दौरान अस्पताल परिसर के बिजली अचानक से गुल हो गई तथा जनरेटर भी तकनीकी खराबी के कारण नहीं चला। अस्पताल में पूरी तरह अंधेरा पसर गया। ऐसे में चिकित्सकों ने मोबाइल टॉर्च की रोशनी में डिलीवरी करवाई। गांव अटेला निवासी एक महिला को प्रसव पीड़ा के कारण दादरी सामान्य अस्पताल में दाखिल करवाया गया था। महिला की डिलीवरी के दौरान अचानक अस्पताल परिसर की बिजली चली गई। इसके बाद कर्मचारियों ने जनरेटर को स्टार्ट करना चाहा, लेकिन तकनीकी खराबी के कारण वह नहीं चला। इसके बाद चिकित्सकों ने अपने अपने मोबाइल निकालकर टॉर्च चलाई। मोबाइल टॉर्च की रोशनी में ही महिला की डिलीवरी हुई तथा एक स्वस्थ बच्चे को जन्म दिया। महिला के परिजनों ने कहा कि सरकार सामान्य अस्पतालों में बेहतर चिकित्सा सुविधाओं का दावा करती है, लेकिन दादरी सामान्य अस्पताल में आज सरकार के दावे हवाई हो गया। उसकी पत्नी की डिलीवरी भी मोबाइल टॉर्च की रोशनी में हुई है। अस्पताल परिसर में रखा का जनरेटर भी खराब था। अगर उनको पता होता तो प्राइवेट अस्पताल में ही अपनी पत्नी की डिलीवरी करवा लेते। वहीं, इस संबंध में अस्पताल सीएमओ से सम्पर्क करना चाहा तो मोबाइल स्विच ऑफ मिला।

चरखी-दादरी। मोबाइल टॉर्च की रोशनी में महिला की डिलीवरी करवाते चिकित्सा।

दूसरा विकल्प नहीं था

अस्पताल की स्टाफ एक नर्स ने नाम ना छापने की शर्त पर बताया कि कुछ मिनट के लिए लाइट गई थी। उस समय मोबाइल की टॉर्च चलाई गई। उसे दौरान दूसरा कोई विकल्प नहीं था। महिला ने एक स्वस्थ बच्चे को जन्म दिया है। कुछ देर बाद ही लाइट आ गई थी।

कनाडा में रिश्तेदार के जेल में होने की बात कहकर पांच लाख ठगे

अंबाला। गांव कुल्लड़पुर के जोगद्रिं सिंह से रश्तिेदार बनकर 5 लाख रुपए हड़प लिए गए। साइबर क्राइम थाने में दी शिकायत में जोगद्रिं ने बताया कि 18 अक्तूबर की सुबह 9.25 बजे उसके पास फोन आया। युवक ने कहा कि मामा जी मैं आपका रश्तिेदार पौंदू बोल रहा हूं। उसकी कनाडा में अंग्रेज से लड़ाई हो गई है। अंग्रेज ने उसे गाली दी तो उसके साथी ने अंग्रेज के सिर में शराब की बोतल मार दी। अब वह जेल में बंद हैं और छुड़वाने के लिए पौंदू ने जोगद्रिं को वकील का नंबर दिया। वकील से जोगद्रिं ने बात की तो वकील ने खुद को चंडीगढ़ का बताया और कहा कि पौंदू को छुड़वाने के लिए 3 लाख रुपए मांगे। इसके बाद वकील ने फोन कर कहा चोटिल हुए अंग्रेज के परिवार वाले 4 लाख मांग रहे हैं। जोगद्रिं ने जानकार से उधार लेकर वकील को दिए।

मानेसर में नकली शराब बनाकर ठेकों पर सप्लाई करने के मामले का पर्दाफाश

नकली शराब मामले में शामिल चार और काबू, ठेकेदार व सप्लायर की मिलीभगत

- पुलिस ने मानेसर और गुरुग्राम के ठेकों से 306 पेटी शराब भी बरामद की थी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

सीआईए ने गुरुग्राम के मानेसर में नकली शराब बनाकर ठेकों पर सप्लाई करने के मामले का पर्दाफाश करने के बाद 4 और आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। 6 आरोपियों को पुलिस ने पहले ही गिरफ्तार कर लिया था, जिसमें दो शराब ठेकेदार भी शामिल थे। पुलिस ने साबी नदी पुल के पास एक बंद बॉडी की टाटा गाड़ी के रुकवाकर तलाश ली, तो उसमें शराब बनाने से लेकर पैक करने तक का सामान भरा हुआ था। पुलिस ने गाड़ी समेत 3 लोगों को मौके पर ही काबू कर लिया था, जबकि उनसे पूछताछके बाद रातों-रात दबिश देते हुए दो शराब ठेकेदारों और एक दलाल को काबू किया था। मानेसर और गुरुग्राम के ठेकों से पुलिस ने 306 पेटी शराब भी बरामद की थी। शराब के खाली पव्वे, लेबल और होलोग्राम भी बरामद किए थे। शराब बनाने में यूज की जाने वाली स्प्रिट व फ्लेवर पुलिस ने कब्जे में लिए थे।

रेवाड़ी। नकली शराब बनाने के समान। (फाइल फोटो)

यमुनानगर में पांच वर्षीय बालिका के साथ रेप

दुष्कर्मी को अंतिम सांस तक जेल में रहने की सजा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

पांच वर्षीय बालिका के साथ दुष्कर्म करने के मामले में अदालत ने 24 वर्षीय आरोपी को अंतिम सांस तक जेल में बंद रहने व एक लाख रुपये जुर्माना की सजा सुनाई है। यह सजा फास्ट ट्रैक कोर्ट ने सुनाई है। उक्त जानकारी जिला न्यायवादी धर्मचंद व जिला उपन्यायवादी जीके टंडन ने दी है। जानकारी के मुताबिक 8 नवंबर 2021 को सदर जगाधरी थाना एरिया के एक गांव निवासी महिला ने महिला थाना पुलिस को शिकायत दी थी कि उसके बेटे का शहर के सामान्य अस्पताल में उपचार चल रहा था। वह उसके पास गई थी। इसके बाद वह घर वापस लौटी तो उसकी पांच वर्षीय बेटी को खून में लथपथ हालत में एक महिला उनके घर लेकर पहुंची। उसने बेटी से पूछा तो उसने बताया कि जब वह अस्पताल में थी तब गांव का जैसी उनके घर आया था और उसे खेलने के बहाने माड़ी के पास ले गया और उसके साथ गलत काम किया। उसे किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी भी दी। बेटी की बात सुनकर उसने तुरंत पुलिस को शिकायत दी। पोक्सो एक्ट में केस दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया था।

8 नवंबर 2021 को सदर जगाधरी थाने में मामला दर्ज किया गया था

कार की टक्कर से बाइक सवार व्यक्ति की मौत

यमुनानगर। गुलाबनगर बाइपास पर जेल चौक के पास कार की टक्कर से बाइक सवार व्यक्ति की मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम करवा परिजनों को सौंप दिया। पुलिस ने अज्ञात कार चालक के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

रादौर निवासी मदन लाल ने बताया कि वह जुराबे व गर्म कपड़े होल सेल रेट पर खरीदकर गांव में फेरी लगाने का कार्य करता है। उसके साथ ही पड़ोस का 42 वर्षीय सतीश कुमार भी फेरी लगाता था। शुक्रवार को दोनों बाइक पर फेरी लगाने के लिए बिलासपुर की ओर जा रहे थे। जब वह गुलाबनगर बाइपास पर जेल चौक से थोड़ा पहले ही पहुंचे तभी सामने से चालक कार तेजी व टक्कर मार दी।

राशि मांगने पर धमकी

डाकखाना एजेंट ने रिटायर्ड मेजर को लगाया 7.54 लाख का चूना

जींद। जुलाना में डाकखाना एजेंट बाप व बेटी ने रिटायर्ड सुबेदार मेजर को एफडी व आरडी कॉपी के नाम पर 7.54 लाख रुपये का चूना लगा दिया। जुलाना थाना पुलिस ने रिटायर्ड सुबेदार मेजर की शिकायत पर दोनों बाप व बेटी के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गांव पौली निवासी रोहताश ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह सेना से सुबेदार मेजर के पद से रिटायर्ड है। 2020 में सेना से रिटायर्ड होने के बाद उसका डाकखाना एजेंट श्यामलाल से रुपयों का लेन-देन चलता रहा। नवंबर 2020 में उसने सात लाख रुपये श्यामलाल को एफडी के लिए दी। श्यामलाल ने बताया कि एफडी राशि साढ़े आठ साल में दोगुणी हो जाएगी। अभी करोना काल चल रहा है। कॉपी बनने में कुछ समय लगेगा। उसने लिखित में दे दिया। वर्ष 2018 से श्यामलाल कॉपी भी चली हुई थी। हर माह छह हजार रुपये प्रतिमाह जमा करवाता था लेकिन आरोपित ने नौ माह तक उसकी कॉपी जमा नहीं करवाई। जिसके बाद आरोपित गायब हो गया।

पुलिस ने बाप व बेटी के खिलाफ धोखाधड़ी का केस दर्ज कर जांच शुरू की

यमुनानगर में घटना

घर पर जादू-टोने का डर दिखाकर तंत्र विद्या के नाम पर महिला से ठगे 25 लाख रुपये

यमुनानगर। शहर की प्रोफेसर कॉलोनी निवासी शालू से घर पर जादू टोने का डर दिखाकर तंत्र विद्या करने के नाम पर 25 लाख रुपये ठग लिए गए। आरोप हमीदा निवासी तालिम, उसके रिश्तेदार दिल्ली के पहाड़गंज निवासी सलमान खान, उसकी पत्नी यासमीन, नफीसा व अहमद अंसारी पर लगा है। पैसे लेने के बाद आरोपियों ने महिला का फोन उठाना बंद कर दिया। पुलिस ने मामले की जांच के बाद पांचों आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार शालू ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह नशा मुक्ति अभियान से जुड़ी हुई है। उसके साथ ही हमीदा निवासी तालिम भी काम करता था। वह उसे बहन मानता है। सितंबर 2022 में उसका एक्सीडेंट हो गया था। जिस पर आरोपी तालिम अपने रिश्तेदारों दिल्ली के पहाड़गंज निवासी सलमान खान, उसकी पत्नी यासमीन, नफीसा व अहमद अंसारी के साथ उसके घर पर मिलने के लिए आया था।

पुलिस ने पांच आरोपियों के खिलाफ किया धोखाधड़ी के आरोप में केस दर्ज

मदद के लिए अरब सागर में सर्विलांस एयरक्राफ्ट और युद्धक जहाज भेजा

माल्टा के मालवाहक जहाज को लुटेरों से रेस्क्यू करने में जुटी भारतीय नौसेना

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारतीय नौसेना ने अरब सागर में लुटेरों से माल्टा का झंडा लगे एक मालवाहक जहाज को रेस्क्यू करने में जुटी है। नौसेना ने तुरंत कार्रवाई करते हुए अपने एक सर्विलांस एयरक्राफ्ट और युद्धक जहाज को भेजा और लगातार माल्टा के जहाज की निगरानी की जा रही है। फिलहाल माल्टा का ये मालवाहक जहाज सुरक्षित सोमालिया के तट के नजदीक

खास बातें

- मालवाहक जहाज में लगा था माल्टा का झंडा
- मालवाहक जहाज सुरक्षित सोमालिया के तट के नजदीक पहुंच गया
- लगातार माल्टा के जहाज की निगरानी की जा रही

भारतीय नौसेना का एयरक्राफ्ट लगातार माल्टा के जहाज पर नजर रख रहा है और जहाज की मूवमेंट की निगरानी कर रहा है।

हूती समूह ने लाइबेरिया के जहाजों पर दागी मिसाइलें

इराजइल-हमाज के युद्ध के बीच यमन के हूती समूह ने लाल सागर कॉरिडोर में लाइबेरिया के जहाजों पर मिसाइल दागी। यूएस सेंट्रल कमांड ने इसकी जानकारी दी। शुक्रवार को बाब अल मंडेब जलडमरूमध्य के पास लाल सागर में यमन के हूती विद्रोहियों ने एक कार्गो जहाज पर बैलिस्टिक मिसाइलें दागी। इस हमले के कुछ घंटे पहले भी एक जहाज पर हमला किया गया था। यूएस सेंट्रल कमांड ने एक्स पर पोस्ट जारी करते हुए बताया कि सना समय के अनुसार 15 दिसंबर को करीब 0900 बजे हूती द्वारा यूएवी लॉन्च किया गया, जिसने लाइबेरिया के झंडे वाले मोटर जहाज अल जेएएसआरएएच को टक्कर मार दी, जिससे इसमें आग लग गई।

स्थिति पर काबू पाने की तत्काल कार्रवाई

भारतीय नौसेना ने बताया कि स्थिति पर तुरंत कार्रवाई करते हुए भारतीय नौसेना ने सर्विलांस एयरक्राफ्ट को तुरंत घटनास्थल के लिए रवाना किया। साथ ही नौसेना ने अदन की खाड़ी में तैनात अपने एंटी पाइरेसी पेट्रोल युद्धक जहाज को भी माल्टा के जहाज की मदद के लिए भेजा। नौसेना का एयरक्राफ्ट लगातार माल्टा के जहाज पर नजर रख रहा है और जहाज की मूवमेंट की निगरानी कर रहा है। फिलहाल यह जहाज सोमालिया के तट की तरफ बढ़ रहा है।

ब्रिटेन ने दी जहाजों को सलाह, अलर्ट रहें

बता दें कि ब्रिटेन की सरकार की तरफ से जहाजों को सलाह दी गई है कि जब वह अरब सागर में सोमालिया के नजदीक से गुजरें तो अलर्ट रहें। दरअसल इस इलाके में समुद्री लुटेरों के कई गिरोह सक्रिय हैं। सलाह दी गई है कि जहाज अलर्ट रहें।

अरब सागर में समुद्री लुटेरों का बड़ा खतरा

भारतीय नौसेना ने बताया कि माल्टा के मालवाहक जहाज पर 18 क्रू मेंबर तैनात हैं। क्रू के सदस्यों ने यूकेएमटीओ पोर्टल पर 14 दिसंबर 2023 को एक संदेश भेजा था, जिसमें बताया गया था कि छह अज्ञात लोग जहाज की तरफ बढ़ रहे हैं। इस सूचना पर नौसेना ने तुरंत कार्रवाई करते हुए अपने सर्विलांस एयरक्राफ्ट को माल्टा के जहाज की मदद के लिए रवाना किया। नौसेना के एक अधिकारी ने बताया कि पूरी स्थिति पर इलाके में अन्य एजेंसियों के साथ समन्वय कर करीबी नजर रखी जा रही है। अधिकारी ने कहा कि भारतीय नौसेना अंतरराष्ट्रीय साझेदारों और मित्र देशों के साथ क्षेत्र में सबसे पहले मदद करने और व्यापारी जहाजों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

लॉजिस्टिक प्रदर्शन सूचकांक में हरियाणा समेत 13 राज्य, यूटी 'सफल' श्रेणी में शामिल

ये राज्य शामिल

- आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, तमिलनाडु, चंडीगढ़, गुजरात, सिक्किम, त्रिपुरा, दिल्ली, असम, हरियाणा, पंजाब, तेलंगाना और उत्तर प्रदेश

भाषा ▶▶ नई दिल्ली

लॉजिस्टिक प्रदर्शन सूचकांक 2023 में आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, तमिलनाडु, चंडीगढ़ और गुजरात समेत 13 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को 'सफल' श्रेणी शामिल किया गया है। उद्योग एवं वाणिज्य मंत्रालय की ओर से शनिवार को जारी एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। सूचकांक निर्यात और आर्थिक वृद्धि को बढ़ावा देने के लिए जरूरी लॉजिस्टिक सेवाओं की दक्षता का संकेतक है। इस वर्ष 15 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों की तुलना में यह संख्या घटकर 13 हो गई है क्योंकि दो राज्य अपने स्थान से फिसल गए हैं। हिमाचल प्रदेश जहां 'आकांक्षी' श्रेणी में तो उत्तराखंड 'तेजी से आगे बढ़ने वाले' श्रेणियों में पहुंच गए हैं। सिक्किम और त्रिपुरा बेहतर प्रदर्शन करते हुए 2022 में 'तेजी से आगे बढ़ने वालों' की श्रेणी से बढ़ाकर 'सफल' श्रेणी में शामिल हो गए। 'सफल' श्रेणी में अन्य राज्य दिल्ली, असम, हरियाणा, पंजाब, तेलंगाना और उत्तर प्रदेश हैं। सूची में 'तेजी से आगे बढ़ने वाले' राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों में केरल, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, राजस्थान, उत्तराखंड, अरुणाचल प्रदेश, नगालैंड, अंडमान एवं निकोबार, लक्ष्यद्वीप और पुडुचेरी को शामिल किया गया है। 'आकांक्षी' श्रेणी में स्थान पाने वाले राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में गोवा, ओडिशा, पश्चिम बंगाल, बिहार, छत्तीसगढ़, हिमाचल प्रदेश और झारखंड, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, दमन एवं दीव, दादरा एवं नगर हवेली, जम्मू-कश्मीर और लद्दाख शामिल हैं।

वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल द्वारा जारी पांचवीं 'लीड्स' (विभिन्न राज्यों में लॉजिस्टिक सुगमता) 2023 रिपोर्ट में राज्यों को उनके लॉजिस्टिक माहौल के आधार पर सूचीबद्ध किया गया है। इसमें हितधारकों के सामने आने वाली प्रमुख लॉजिस्टिक संबंधी चुनौतियों पर प्रकाश भी डाला गया है। सूचकांक का उद्देश्य राज्यों में लॉजिस्टिक प्रदर्शन में सुधार पर ध्यान केंद्रित करना है। गोयल ने कहा कि लॉजिस्टिक्स क्षेत्र 2047 तक देश की अर्थव्यवस्था को लगभग 35 लाख करोड़ डॉलर तक ले जाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

रिलायंस जनरल इंश्योरेंस ने वैश्विक स्वास्थ्य सेवा पॉलिसी जारी की

नई दिल्ली (भाषा)। रिलायंस जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड (आरजीआईसीएल) ने शनिवार को कहा कि उसने भारतीयों के लिए वैश्विक स्वास्थ्य सेवा को सुलभ बनाने के लिए एक नयी पॉलिसी शुरू की है। आरजीआईसीएल ने एक बयान में कहा कि 'रिलायंस हेल्थ ग्लोबल' नाम वाली पॉलिसी न केवल भारत की सीमाओं के भीतर बल्कि दुनिया भर में व्यापक कवर देती है। बयान में कहा गया कि यह पॉलिसी कैंसर और बाईपास सर्जरी जैसी गंभीर बीमारियों सहित विदेशी इलाज के खर्चों को भी कवर करेगी। कंपनी ने कहा कि पॉलिसी में 10 लाख अमेरिकी डॉलर तक की बीमा राशि के अलावा यात्रा, आवास और वीजा एवं सहायता सेवाएं भी शामिल हैं। इसमें कमरे के किराये के लिए कोई सीमा नहीं है। साथ ही एयर एम्बुलेंस से लेकर अंगदाता का खर्च तक, सभी लाभ शामिल हैं। रिलायंस जनरल इंश्योरेंस के सीईओ राकेश जैन ने कहा, ''जैसे-जैसे भारत का वैश्वीकरण हो रहा है ।

महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, उत्तराखंड में नौ अस्पताल बनाएगा ईएसआईसी

नई दिल्ली (भाषा)। कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) ने महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और उत्तराखंड में नौ अस्पताल बनाने का फैसला किया है। इसके अलावा गुजरात में 17 नए दवाखाने भी खोले जाएंगे। केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री भूपेन्द्र यादव की अध्यक्षता में शुक्रवार को ईएसआईसी मुख्यालय में आयोजित कर्मचारी राज्य बीमा निगम की 192वीं बैठक में यह निर्णय लिया गया। बैठक में श्रम एवं रोजगार राज्य मंत्री रामेश्वर तेली भी उपाध्यक्ष के रूप में शामिल हुए। श्रम मंत्रालय ने शुक्रवार देर शाम जारी एक बयान में कहा कि स्वास्थ्य देखभाल के बुनियादी ढांचे में सुधार के लिए ईएसआई योजना के तहत महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और उत्तराखंड में नौ नए अस्पताल और गुजरात में 17 नए दवाखाने स्थापित किए जाएंगे। बयान के अनुसार, मुद्रास्फीति के प्रभाव को बेअसर करने के लिए स्थायी विकलांगता लाभ (पीडीबी) और आश्रित लाभ (डीबी) की मूल दर को बढ़ाने के प्रस्ताव को भी ईएसआईसी ने मंजूरी दी। पीडीबी का भुगतान मासिक रूप में वेतन का 90 प्रतिशत तक किया जाता है। ऐसे मामलों में जहां काम के दौरान व्यावसायिक खतरों के कारण मृत्यु होती है, बीमित व्यक्ति के आश्रितों को मासिक भुगतान के रूप में वेतन के 90 प्रतिशत की दर से डीबी का भुगतान किया जाता है। ईएसआईसी ने महाराष्ट्र के बिबवेवाड़ी और ओडिशा के राउरकेला स्थित अपने अस्पतालों में बेड क्षमता बढ़ाने का भी निर्णय लिया।

व्यापार मंडल की बैठक 16 जनवरी तक टली

नई दिल्ली (भाषा)। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल की अध्यक्षता में व्यापार मंडल की बैठक 16 जनवरी, 2024 तक टल गई है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी है। पहले यह बैठक 17 दिसंबर को होनी थी। गोयल की अध्यक्षता में होने वाली व्यापार मंडल की बैठक में विभिन्न राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों के प्रतिनिधि और सार्वजनिक व निजी क्षेत्रों के वरिष्ठ अधिकारी शामिल होंगे। बैठक में निर्यात संवर्द्धन परिषदों के प्रतिनिधि निर्यात क्षेत्र पर अपने विचार साझा करेंगे। यह बैठक उद्योग जगत के साथ नियमित चर्चा और परामर्श करने का अवसर देती है। इसमें सरकार को विदेश व्यापार नीति पर सलाह भी दी जाती है।

धारावी पुनर्विकास परियोजना पिछली एमवीए सरकार ने खुली बोली में दी: अडाणी समूह

नई दिल्ली (भाषा)। अडाणी समूह ने शनिवार को कहा कि उसे धारावी झुग्गी पुनर्विकास परियोजना पिछली कांग्रेस-शिवसेना गठबंधन की महाविकास अघाड़ी सरकार (एमवीए) ने निष्पक्ष और खुली अंतरराष्ट्रीय बोली के माध्यम से दी थी। अडाणी की धारावी पुनर्विकास परियोजना प्राइवेट लिमिटेड (डीआरपीपीएल) के प्रवक्ता ने एक बयान में कहा कि दायित्वों और प्रोत्साहनों सहित वित्तीय स्थितियों के बारे में सभी बोलीदाताओं को पता था और बोली पाने वाले के लिए इसमें कोई बदलाव नहीं हुआ। अडाणी समूह ने यह बयान तब दिया है जब महाराष्ट्र सरकार द्वारा कथित तौर पर समूह का समर्थन करने के विरोध में उद्धव ठाकरे की शिव सेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) ने धारावी से मुंबई में अडाणी के कार्यालय तक सड़क मार्च निकाला। धारावी परियोजना एक निष्पक्ष, खुली, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धी बोली प्रक्रिया के माध्यम से अडाणी समूह को प्रदान की गई थी। उन्होंने कहा कि यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि निविदा शर्तों को एमवीए सरकार के कार्यकाल के दौरान अंतिम रूप दिया गया था। अंतिम शर्तों को ठेका दिए जाने के बाद बदला नहीं गया है। इसलिए, यह दावा करना गलत है कि बोली विजेता को कोई विशेष लाभ दिया गया है।

एफसीआई ने ई-नीलामी के जरिये प. बंगाल में 4.29 लाख टन गेहूं, 14,760 टन चावल बेचा

कोलकाता (भाषा)। भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) ने ई-नीलामी के जरिए पश्चिम बंगाल में 4.29 लाख टन गेहूं और 14,760 टन गैर-फोर्टिफाइड चावल बेचा है। एजेंसी के एक अधिकारी ने शनिवार को कहा कि इस साल जून से दिसंबर तक खुले बाजार की 25 ई-नीलामी में यह खाद्यान्न बेचा गया। एफसीआई के उप महाप्रबंधक (पश्चिम बंगाल) प्रदीप सिंह ने कहा कि खुले बाजार की बिक्री योजना (घरेलू) का संचालन एम-जंक्शन के ई-नीलामी पोर्टल के जरिए किया गया।

PUBLIC NOTICE

MY CLIENTS SMT. MURTI W/O LATE SHRI SAT PREKASH, (ADHAR NO. 333213114106) 123, KAMI (95), SONIPAT, THARUOLDEPUR, HARYANA, 131001, HAVE DISOWNED AND DEBARRED THEIR SON KRISHAN KUMAR (ADHAR NO. 584833305511) AND HIS WIFE SMT. SHARDAAS WELL AS THEIR CHILDRENS NAMELY MS. SNEHA, MS. MUSKAN, MASTER GAURAV AND MASTER BHAVAY FROM THEIR ALL MOVEABLE AND IMMOVEABLE PROPERTIES/ASSETS AND MY CLIENTS HAVE SEVERED THEIR RELATIONS WITH THEM DUE TO THEIR DISOBEDIENT AND HOSTILE ATTITUDE. MY CLIENTS AND HER FAMILY SHALL NOT BE RESPONSIBLE FOR THEIR ANY ACTS OR DEALS WITH ANYONE, IF ANY ONE DEALS WITH THEM HE/SHE SHALL DO SO AT THEIR OWN RISK AND CONSEQUENCES.

MANJEET SHARMA (ADVOCATE)
Ch. No. Y-3, Civil Wing, Tis Hazari Courts, Delhi-54.

SAVITRI DEVI WOMEN DEGREE COLLEGE
Gahra Road Kanina Distt. Mahendergarh (Haryana)
(Approved by govt of Haryana & Affiliated to IGU, Meerpur- Rewari)

REQUIRES

Principal-01, Assistant Professor: English-01, Hindi-01, Mathematics-02, Physics-02, Chemistry-02, Botany-01, Zoology-01, Economics-01, History-01, Geography -01, Sanskrit-01, Pol Sci -01, Phy Edu-01, Computer Science-01.
Non Teaching Staff: Head Clerk-01, Assistant Clerk-01, Lab Assistant for each Lab-01, Librarian-01, Junior Librarian -01, Lib attendant -02, Lab attendant for each Lab-01, Clerk Cum Typist-02, Data Entry Operator and Computer Operator -02, Peon-03, Mali-02, Security Men-01

Qualification & Salary as per IGU Rewari /State Govt/UGC Norms.

Application should reach in the office of college within 21 days from the date of publication of this advertisement and same application should be submitted in the office of Dean, College Development Council, Indira Gandhi University, Meerpur, Rewari (HR)-122502.

Ph No- 9416150682, 9992696300
Email: vps682@gmail.com

बड़ी संख्या में कर्मचारी मानते हैं, आज की कार्य संस्कृति में झपकी लेना जरूरी: सर्वेक्षण

भाषा : मुंबई। बड़ी संख्या में कर्मचारियों का मानना है कि कार्यालय में काम करने के दौरान झपकी लेने से थकान मिटाने में मदद मिलती है और इससे कर्मचारियों की कार्य-क्षमता तथा सेहत भी ठीक रहती है। कर्मचारी समाधान और मानव संसाधन सेवाएं मुहैया कराने वाली कंपनी जीनियस कंसल्टेंट की एक रिपोर्ट में यह बात कही गई।जापान में 'इनेमुरी' की प्रथा लंबे समय से चली आ रही है, जिसमें कार्य अवधि के दौरान झपकी लेना शामिल है। रिपोर्ट में कहा गया कि ऐसा करना एक स्वस्थ कार्य संस्कृति के लिए जरूरी है। सर्वेक्षण में शामिल लगभग 94 प्रतिशत कर्मचारियों का मानना है कि कार्य अवधि के दौरान झपकी लेना जरूरी है, जबकि केवल तीन प्रतिशत इस बात से असहमत थे। रिपोर्ट में कहा गया कि कर्मचारी तनाव को दूर करने के लिए काम के घंटों के दौरान आराम चाहते हैं। यह रिपोर्ट बैंकिंग और वित्त, निर्माण और इंजीनियरिंग, शिक्षा, एफएमसीजी, आतिथ्य, मानव संसाधन समाधान, आईटी, आईटीईएस और बीपीओ, लॉजिस्टिक, विनिर्माण, मीडिया सहित विभिन्न क्षेत्रों के 1,207 कर्मचारियों के बीच किए गए एक ऑनलाइन सर्वेक्षण पर आधारित है।

उत्तर रेलवे
आज़ादी का अमृत महोत्सव

ई–निविदा सूचना

क्र. सं.	निविदा संख्या	कार्य का विवरण	निविदा खुलने की तिथि/समय	अनुमानित लागत (₹)	धरोहर राशि (₹)	कार्य पूरा करने की अवधि
1.	ओटी-19/ 2023-24	प्रोविजन ऑफ रेल नेट इन सब डिवीजनल ओफिससस एंड सुपरवाइजर ओफिससस इन फील्ड ओवर अम्बाला डिवीजन	10.01.2024 को 15:00 बजे	₹2,14,63,610.42	₹2,57,300/-	09 माह
2.	ओटी-20/ 2023-24	प्रोविजन ऑफ ओ०एफ०सी० एंड एसोसिएटेड इक्विपमेंट्स इन 835.97 किलोमीटर ऑन नॉन ओ०एफ०सी० सेक्शन ऑन नॉर्दन रेलवे इन रायपुर हरियाणा–सतरोड ब्लॉक सेक्शन ऑफ अम्बाला डिवीजन	10.01.2024 को 15:00 बजे	₹41,94,608.40	₹83,900/-	06 माह
3.	ओटी-21/ 2023-24	एनुअल रिपेयर कॉन्ट्रैक्ट ऑफ कार्ड्स ऑफ पी०डी० मक्स मेल वेब्किल फॉर थ्री इयर्स	10.01.2024 को 15:00 बजे	₹17,71,109.45	₹35,400/-	36 माह
4.	ओटी-22/ 2023-24	एनुअल रिपेयर कॉन्ट्रैक्ट ऑफ कार्ड्स ऑफ पी०डी० मक्स मेक पुन्कोम फॉर थ्री इयर्स	10.01.2024 को 15:00 बजे	₹19,37,809.00	₹38,800/-	36 माह

संख्या: एस.डब्ल्यू./सिग/अम्बाला/एन०आई०टी०–09/23–24 दिनांक: 15.12.2023 3952/2023

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

हरिभूमि क्लासीफाइड विज्ञापन

ज्योतिष

फोन करते ही जिन्दगी संवारे
खुदा ने चाहा तो किसी प्यार टूटने नहीं दूगां
खुला चैलेंज 2 घंटो में घर बैठे फोन पर गारंटिड लाभ

7 इल्मों के माहिर
आपके विश्वास का एक ही नाम
21 सालों से एक ही स्थान पर
मियां पठान बंगाली
गोल्ड मेडलिस्ट
स्पे. महावशीकरण, मुठकरनी
लवमैरिज, मनचाहा प्यार, वशीकरण ग्रहक्लेश, जादू-टोना, शादी कारोबार रुकावट, रुठे मनाना, किया-कराया पति-पत्नी अनबन, सौतन-दुश्मन छुटकारा, कोर्ट कचहरी आदि
7500542070
https://www.miyapathanjibangali.com

फाईनैंस

☞ MAHENDRA FINANCE COMPANY, काम हमारा विश्वास आपका सरकारी योजना, मुद्रा लोन (10+2), मार्कशीट, प्रोपेर्टी, पर्सनल, बिजनेस, मकान, 3 LAKH से 40 LAKH तक लोन। महिलाओं और विद्यार्थियों के लिए विशेष छूट ऑनलाइन सुविधा घर बैठे पायें। 2% ब्याज, 30% सब्सिडी। (10 मार्कशीट 24 घंटे 3 लाख का लोन) सिबिल खराब लोन पाएं, 93503 86748, पहले आएं पहले पायें

सूचना

सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्पले/क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

राशिफल

मेष — मन में उतार–चढ़ाव रहेंगे, परन्तु परिवार का साथ मिलेगा। वस्त्रों के प्रति रुझान बढ़ेगा।तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे।

वृष — व्यर्थ के क्रोध एवं वाद–विवाद से बचें। नौकरी में अफसरों का सहयोग मिलेगा, परन्तु स्थान परिवर्तन भी हो सकता है। सुस्वादु खानपान में रुचि रहेगी।

मिथुन — परिवार में सदभाव बनाये रखने के प्रयास करे। किसी मित्र का आगमन हो सकता है। अनावश्यक विवाद की स्थितियां बन सकती हैं।

कर्क — मन में उतार–चढ़ाव रहेगा। नौकरी में कार्यक्षेत्र में कठिनाई का सामना करना पड़ सकता है। संपत्ति में निवेश के रास्ते खुलेंगे। लाभ के योग हैं।

सिंह — आत्मसंयत रहें। मानसिक शान्ति बनाये रखने के प्रयास करें। जीवनसाथी का साथ मिलेगा। लंबे समय से चली आ रही समस्याओं से निजात मिलेगी।

कन्या — खर्चों में वृद्धि भी होगी। मीठे खानपान में रुचि रहेगी। आय में वृद्धि भी होगी। व्यर्थ की चिंताओं से स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है।

तुला — कारोबार में भाग–दौड़ अधिक रहेगी, परन्तु यथानुरूप लाभ के अवसर कम मिल सकते हैं। आशातीत सफलता मिलने के योग कम हैं।

वृश्चिक — व्यर्थ के क्रोध एवं वाद–विवाद से बचें। नौकरी में परिवर्तन के योग बन रहे हैं। कार्यक्षेत्र में परिवर्तन भी हो सकता है। आय में वृद्धि होगी।

धनु — व्यर्थ के क्रोध से बचें। परिवार में शान्ति बनाये रखने के प्रयास करें। माता का साथ मिलेगा। किसी मित्र के सहयोग से आय वृद्धि के साधन बन सकते हैं।

मकर — कारोबार में कठिनाइयां तो आ सकती हैं, परन्तु किसी मित्र के सहयोग से कारोबार के लिए विदेश यात्रा पर जाने का अवसर भी मिल सकता है।

कुंभ — नौकरी में स्थान परिवर्तन की सम्भावना बन रही है। परिवार से दूर रहना पड़ सकता है। खर्च बढ़ेंगे। किसी धार्मिक स्थल की यात्रा पर जा सकते हैं।

मीन — लाभ के अवसर मिल सकते हैं। यात्रा में वृद्धि हो सकती है। भाग–दौड़ अधिक रहेगी। संतान के स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

शब्द पहेली - 5366

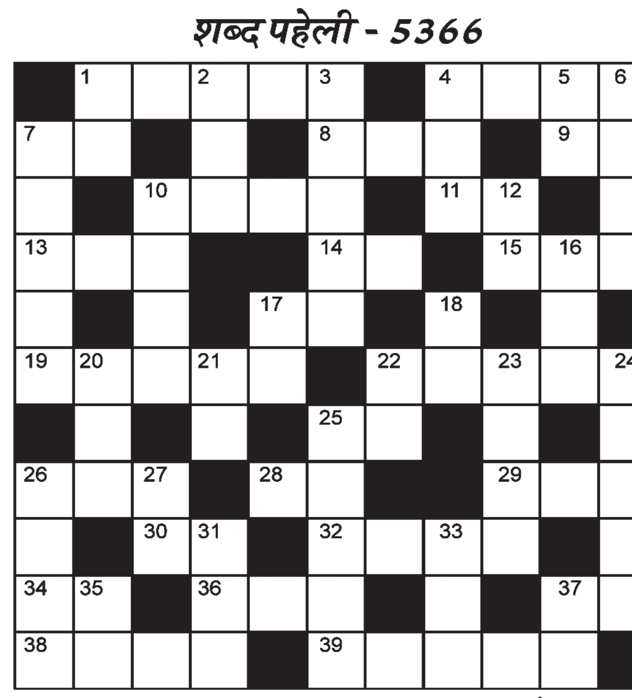

बाएँ से दाए
1. असहकार-5
4. शत्रुता, दुश्मनी-4
7. नाच, नृत्य (उर्दू-2)
8. विष्णु का वाहन-3
9. मादा का विलोम-2
10. ईश्वर, शिव-4
11. संज्ञा, संबोधन-2
13. वेग, गति-3
14. महसूल, राहदरी-2
15. अंधकार, अंधेरा-3
17. कुंजी, ताली-2
19. गोलाकार-5
22. इतरता, बेगानापन-5
25. समय, वक्त-2
26. स्याही का पात्र-3
28. अच्छा, सद् पुरुष-2
29. अदृश्य-3
30. मिट्टी, धूल-2
32. नट, बाजीगरी करने वाला-4
34. टैक्स, हाथ-2
36. बोलने का तरीका-3
37. खदान-2
38. जो जायज न हो-4
39. श्री रामचंद्र का नाम-5

ऊपर से नीचे
1. तराजू डंडा, पासा-2
2. पराजित करना-3
3. बहुत लंबा -5
4. रुकना, अड़ जाना-3
5. जंगल, कानन-2
6. तीर रखने का पात्र-4
7. सार-संभाल-2,3
10. पूंजी, धन-4
12. वोट, राय-2
16. राजा, महाराजा-3
17. चतुर्थ, चौथा-2
18. हलवा-2
20. पक्षाघात-3
21. तन, देह-2
22. क्षण-2
23. स्मारक-4
24. चोर, लुटेरा-5
25. जैकी श्राफ, अनिल कपूर, किमी काटकर व फराह अभिनीत फिल्म -5
26. टूटना, बिखरना-4
27. पानी से सराबोर-2
31. कमल, नीरज-3
33. बादलों की गड़गड़ाहट-3
35. छुट्टी, अवकाश-2
37. राख, मिट्टी-2

शब्द पहेली - 5365 का हल

सूडोकु नवताल - 5376

★★★★★ कठिनतम

				5	1	4		
			7				2	
		8						3
	1							8
5				4				9
7							6	
4						7		
	2				6			
		3	9	8				

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 5375 का हल

4	7	6	3	5	2	9	1	8
5	9	8	6	7	1	4	3	2
2	3	1	8	9	4	7	6	5
6	8	5	7	3	9	2	4	1
3	2	4	5	1	6	8	7	9
7	1	9	4	2	8	3	5	6
8	4	3	2	6	5	1	9	7
1	5	2	9	4	7	6	8	3
9	6	7	1	8	3	5	2	4

बीत रहा वर्ष 2023 इस मायने में खास रहा कि अपने देश भारत ने इस दौरान विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में कई ऐसी कीर्ति-गाथाएं लिखीं, जो अभूतपूर्व रहीं। इनसे भारत यह साबित करने में सफल रहा कि हम अर्थव्यवस्था के साथ ही वैज्ञानिक महाशक्ति बनने की ओर भी तेज गति से बढ़ रहे हैं। इस वर्ष देश ने जो वैज्ञानिक-तकनीकी उपलब्धियां हासिल कीं, उन पर एक नजर।

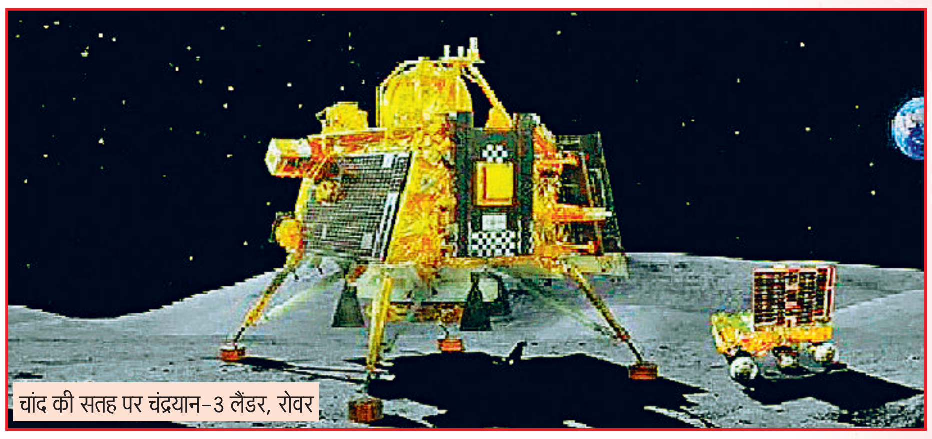
चांद की सतह पर चंद्रयान-3 लैंडर, रोवर

कवर स्टोरी
संजय श्रीवास्तव

विज्ञान-तकनीक 2023
लहराया भारतीय परचम

आज देश अगर तीव्र गति से चौमुखी विकास की ओर अग्रसर है तो इसमें विज्ञान और तकनीक की महत्वपूर्ण भूमिका है। साइंस और टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में बीत रहा वर्ष अपने देश के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धियों वाला रहा।

छू लिया चांद-पहुंचे सूरज के करीब

इसरो द्वारा चंद्रयान-3 के लैंडर को चंद्रमा की सतह के दक्षिणी ध्रुव पर सफलतापूर्वक उतारकर देश ने अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में अभूतपूर्व छलांग लगाई। इसके साथ ही गगन यान की तैयारी संबंधी प्रक्षेपणों की सफलता और सूर्य मिशन के अंतर्गत आदित्य एल-1 के सफल प्रक्षेपण ने इस वर्ष अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में हमारी आशाओं, आकांक्षाओं के

आकाश को और ऊंचा उठा दिया है। इन उपलब्धियों ने हमें यह सोचने की ठोस जमीन दी कि अब अंतरिक्ष में हमारा भी अपना स्टेशन हो सकता है। हमारे वैज्ञानिक भी विश्व के उन्नत तकनीक वाले और अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में ऊपरी पायदान पर रहने वाले देशों के वैज्ञानिकों की तरह वहां रहकर गहन शोध कर सकते हैं। भारतीय वैज्ञानिक, समूचे संसार को यह बताने में कामयाब रहे कि चंद्रमा पर लैंडर उतारना हमारे लिए महज शुरुआत है। हम ना सिर्फ जल्द ही मानव सहित अंतरिक्ष में पहुंचेंगे, मंगल, वृहस्पति और शुक्र तक हमारे शोध के दायरे में होंगे। साथ ही सूर्य के तमाम रहस्यों को सबसे पहले उजागर करने में सक्षम होंगे, वह भी स्वदेशी तकनीक, घरेलू स्टार्टअप्स के भरोसे और बेहद कम लागत पर।

स्पेस रिसर्च में की नई शुरुआत

स्पेस टेक्नोलॉजी में हमारे आगे बढ़ने का मतलब यह नहीं कि हमने मात्र आसमान नापे, इस वर्ष जमीन पर भी कई ठोस काम किए गए। जैसे, महाराष्ट्र के हिंगोली में हमने

एलआईजीओ-इंडिया नाम से ऐसा लेजर इंटरफेरोमीटर ग्रेविटेशनल वेव ऑब्जर्वेटरी विकसित करना शुरू किया, जो ब्लैक होल और न्यूट्रॉन स्टार जैसे विशाल खगोलीय वस्तुओं के विलय के दौरान उत्पन्न गुरुत्वाकर्षण तरंगों की पहचान करने में सक्षम है।

एआई क्षेत्र में बढ़ाए कदम

मात्र अंतरिक्ष में ही नहीं तकनीक और विज्ञान के कई अन्य क्षेत्रों में भी भारतीय वैज्ञानिकों ने अपना परचम लहराया। कृत्रिम बुद्धिमत्ता या आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसे क्षेत्र में भारत ने बेहद प्रभावी तरीके से दिखाया कि हम इस क्षेत्र के मजबूत खिलाड़ी बनकर उभरने की कूव्वत रखते हैं। साथ ही भारत का रुझान उन सभी विकसित देशों के विपरीत रहा, जो इसको

खतरा मानते हैं। चैट जीपीटी आने के साथ जब समूचे संसार में इसके इंसानों की जगह ले सकने, दूसरे तमाम भयानक नतीजों पर बहस शुरू हुई तो ग्लोबल टेक्नोलॉजी सम्मेलन में विज्ञान तथा तकनीकी मंत्रालय के हमारे राज्यमंत्री ने कहा कि इससे जनित डीपफेक या सोशल मीडिया टॉक्सिटी से डरने के बजाय हमें आर्टिफिशियल टेक्नोलॉजी प्लेटफॉर्म और नॉन एआई प्लेटफॉर्म को जिम्मेदार बनाना होगा। हमने दुनिया को भरोसा दिलाया कि हेल्थकेयर, एजुकेशन जैसे कई क्षेत्रों में हम एआई का इस्तेमाल करेंगे और इसके 120 अरब डॉलर के बाजार में शानदार उपलब्धियां हासिल करके दिखाएंगे। इस दिशा में देश करीब 85,000 टैलेंटेड इंजीनियर्स का पूल तैयार करने का प्रयास कर रहा है।

इनोवेशन में भी बढ़े आगे

इसी साल साइंस और टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में 5,800 करोड़ रुपए से ज्यादा का खर्च करने की घोषणा हुई। देश में इस साल 25वां नेशनल टेक्नोलॉजी डे की थीम 'स्कूल टू स्टार्टअप्स-इग्नाइटिंग यंग माइंड्स टू इनोवेट' रखना बताता है कि इस क्षेत्र में बुनियादी विकास के लिए सरकार की सोच सही दिशा में है। वैसे भी देश इस साल ग्लोबल इनोवेशन इंडेक्स रैंकिंग में 81वें स्थान से ऊपर उठकर चालीसवें स्थान पर पहुंच गया है। पेटेंट की संख्या तीस हजार तक पहुंची और देश में टेक इन्क्यूबेशन सेंटरों की संख्या आज 650 से ऊपर हो गई, जो दस बरस पहले मात्र 155 थी।

टेक्नो-स्टार्टअप्स में बने लीडर

युवाओं में डिजिटल उद्यम और स्टार्टअप स्थापित करने के बढ़ते रुझान के चलते, इसकी संख्या एक लाख पार कर गई। देश इस साल विश्व का तीसरा सबसे बड़ा टेक्नोलॉजिकल स्टार्टअप इकोसिस्टम बनने में सफल हुआ। इस वर्ष इस बात का एहसास और मजबूत हुआ कि देश टेक लीडर बनने की हर संभव दिशा में आगे बढ़ रहा है। इसके साथ ही कार्बन उत्सर्जन पर रोक लगाकर, जलवायु संकट से निपटने में सहायक हरित तकनीक, बैंकिंग, क्रिप्टोकरेंसी और मेडिकल डाटा की सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकने वाले ब्लॉक चेन के अलावा रोबोटिक्स के क्षेत्र में अपेक्षिक प्रगति दिखी।

इन क्षेत्रों में विस्तार का है इंतजार

हालांकि इस साल 5जी, अपने प्रायोगिक स्तर पर ही रहा। उससे जिस प्रभाव और बदलाव की उम्मीद की जा रही थी, वह नहीं दिखा। यह अलग तथ्य है कि इसकी कवरेज का विस्तार तेज होता दिखा। संभव है कि इसकी

कनेक्टिविटी पूरे देश में फैलने, 5जी समर्थित उपकरणों को विकसित होने और आम इस्तेमाल में लेने में थोड़ा और वक्त लगे। इस साल उम्मीद यह भी थी कि सुपर एप्स का चलन बेतहाशा बढ़ेगा। यूजर एक ही एप से कई काम कर सकेंगे पर थोड़ी वृद्धि के बावजूद यह चलन जोर नहीं पकड़ सका। ठीक इसी तरह एयर टैक्सी के ट्रायल के बावजूद इसे पूरी तरह प्रैक्टिस में नहीं लाया जा सका।

इस वर्ष यह देखना बहुत सुखकर रहा कि देश राष्ट्रीय स्तर ही नहीं वैश्विक फलक पर भी विज्ञान-तकनीक के क्षेत्र में अपनी महत्ता साबित करने में सफल रहा। कुल मिलाकर विज्ञान और तकनीक क्षेत्र में उपलब्धियों के लिहाज से यह वर्ष शानदार रहा। *

उठाए गए सराहनीय कदम

सेमीकंडक्टरों के निर्माण और रक्षा के अलावा तमाम तरह की महत्वपूर्ण तकनीक के मामले में इस वर्ष देश ने अमेरिका के साथ जो समझौते किए हैं, वे दूरगामी परिणाम वाले होंगे। इसके अलावा डिजिटल पर्सनल डाटा प्रोटेक्शन (डीपीडीपी) बिल कानून बनने के करीब पहुंच गया, जो आम लोगों की डिजिटल निजता के हनन और आंकड़ों के दुरुपयोग को रोकने में कारगर हथियार हो सकता है। इनके अलावा देश में विज्ञान पुरस्कारों के क्षेत्र में एक बेहतर प्रगति इस वर्ष यह हुई कि हर साल पद्म पुरस्कारों की तर्ज पर 3 विज्ञान रत्न दिए जाने का फैसला लिया गया। यह सम्मान वैज्ञानिक के पूरे जीवन की उपलब्धियों को एक तरह से मान्यता देगा। साथ ही तय हुआ कि अगले साल से प्रतिवर्ष 11 मई को 56 राष्ट्रीय विज्ञान पुरस्कार घोषित होंगे, जो राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस यानी 23 अगस्त को दिए जाएंगे।

स्मार्ट लाइफ @ स्मार्ट कार्ड

आज के दौर में टेक्नोलॉजी ने हम सबकी लाइफस्टाइल को पूरी तरह से बदल दिया है। खासतौर पर स्मार्ट कार्ड का मल्टीपर्पस और ईजी यूज हमारी लाइफ को स्मार्ट बनाने में बड़ा रोल निभा रहा है।

टेक्नोलाइफ / अपराजिता

आंकड़े बताते हैं, देश की राजधानी दिल्ली की मेट्रो ट्रेन में सफर करने वाले 73.6 फीसदी यात्री टिकट के लिए पेमेंट स्मार्ट कार्ड का इस्तेमाल करते हैं। हर महीने औसतन 61,36,626 यात्री मेट्रो ट्रेन से सफर करते हैं, जिनमें से दो तिहाई से ज्यादा दैनिक यात्री टिकट खरीदने के लिए स्मार्ट कार्ड का इस्तेमाल करते हैं। हालांकि कोरोना के पहले ही अपने देश में स्मार्ट शॉपिंग होने लगी थी यानी ऐसी खरीदारी, जिसमें जेब से रुपए निकालने की बजाय, प्लास्टिक की कार्ड से भुगतान किया जाता है। लेकिन कोविड पीरियड के बाद तो इसमें बेतहाशा तेजी देखी जा रही है।

होते हैं मल्टीपर्पस : वास्तव में स्मार्ट कार्ड, विजिटिंग कार्ड के आकार का प्लास्टिक से बना ऐसा कार्ड होता है, जिसमें एक माइक्रोप्रोसेसर और एक मेमोरी चिप या सिर्फ एक मेमोरी चिप मौजूद होती है। जिस स्मार्ट कार्ड में माइक्रोप्रोसेसर होता है, उसमें कई तरह की जानकारियां जोड़ी या घटाई जा सकती हैं। स्मार्ट कार्ड में विभिन्न तरह के डाटा स्टोर होते हैं। ये हमारी आईडेंटिटी को कैरी करने का जरिया होते हैं। साथ ही इनसे शॉपिंग भी आसानी से की जा सकती है। यही वजह है कि इन दिनों स्मार्ट कार्ड का इस्तेमाल घर के कई तरह के कामों को पूरा करने के लिए होता है। सच बात तो यह है कि आज हमारी जीवनशैली, जो इस कदर स्मार्ट हो गई है, उसमें बड़ी भूमिका स्मार्ट कार्ड्स की भी है।

सिक्योर करता है पिन: आजकल अधिकतर उपभोक्ता सामान और सेवाएं उपलब्ध कराने वाली कंपनियां, पेमेंट लेने के लिए स्मार्ट कार्ड को सीधे क्रेडिट कार्ड के तौर पर यूज करने लगी हैं। दरअसल, स्मार्ट कार्ड में कार्ड होल्डर या कार्ड तक पहुंच चाहने वाले किसी तीसरे को सुरक्षित रूप से पहचानने और प्रमाणित करने के तरीके उपलब्ध होते हैं। मसलन, किसी भी कार्ड धारक को अपने आपको प्रमाणित करने के लिए एक निश्चित पिन कोड या बायोमेट्रिक डाटा का उपयोग करना पड़ता है। स्मार्ट कार्ड डाटा को सुरक्षित रूप से संग्रहित करने और इंक्रिप्शन के साथ संचार को सुरक्षित रखने का तरीका भी प्रदान करते हैं। इसलिए स्मार्ट कार्ड बहुत ज्यादा यूज होने लगे हैं। स्मार्ट कार्ड को इस कदर उपयोगी बनाने में सबसे ज्यादा भूमिका चार अंकों वाले स्मार्ट पिन की होती है, जो एक तरह से हर बार स्मार्ट कार्ड धारक को अपनी पहचान सत्यापित करने में मदद करता है।

लाइफ को बनाया ईजी: स्मार्ट कार्ड ने हमारी डेली लाइफ को इसलिए भी काफी स्मार्ट बना दिया है, क्योंकि इसके चलते अब हमें बहुत सारी चीजें हमेशा साथ लेकर नहीं चलनी पड़ती हैं। जैसे हमारे तमाम डाक्यूमेंट्स इसमें सुरक्षित होते हैं। यह विभिन्न तरह के कांटेक्टलेस संपर्कों के काम आता है। यही वजह है कि यह बैंकिंग सेवाओं में तो इस्तेमाल होता ही है, टेलीकॉम और आईडी कार्ड सिस्टम में भी इसका उपयोग होता है। सबसे ज्यादा आजकल इसका उपयोग पब्लिक ट्रांसपोर्ट सिस्टम को एक्सेस करने में होता है। यह क्रेडिट कार्ड की तरह ही इस्तेमाल होता है, जिस कारण यह हमें काफी हद तक बेफिक्र बनाता है। स्मार्ट कार्ड में डुएल इंटरफेस भी होता है यानी, इसमें कार्ड कांटेक्ट और कांटेक्टलेस इंटरफेस दोनों को सम्मलित किया जाता है। जिस कारण ये अलग-अलग सिस्टम में उपयोगी साबित होते हैं। स्मार्ट कार्ड का इस्तेमाल लोग ज्यादातर समय पेमेंट करने, अपनी पहचान साबित करने और सेफ एक्सेस कंट्रोल में करते हैं।

होते हैं कई प्रकार : स्मार्ट कार्ड कई प्रकार के होते हैं। जैसे पेमेंट स्मार्ट कार्ड, आमतौर पर शॉपिंग करने और लेन-देन में ही सबसे ज्यादा उपयोग में लाया जाता है। क्रेडिट कार्ड और डेबिट कार्ड इसी का हिस्सा होते हैं। आधार कार्ड एक दूसरा स्मार्ट कार्ड है, जो हमारी ऑनलाइन पहचान का इन दिनों सबसे बड़ा जरिया है। अब ड्राइविंग लाइसेंस भी स्मार्ट कार्ड बन रहे हैं, जिसमें किसी ड्राइवर की सारी व्यक्तिगत जानकारियां और उसकी गाड़ी की सारी जानकारियां मौजूद होती हैं। इन सबके अलावा एम्बेडिड स्मार्ट कार्ड भी होते हैं, जो वास्तव में हमारी व्यक्तिगत पहचान, सुरक्षा पासवर्ड और डिजिटल सुरक्षा उद्देश्यों में इस्तेमाल होते हैं। एक और महत्वपूर्ण स्मार्ट कार्ड होता है जिससे एक्सेस कार्ड भी कहते हैं। यह कार्ड विभिन्न संस्थानों के कर्मचारियों को पहचानने और विशिष्ट स्थान और सुविधाओं तक पहुंचाने में मददगार होता है।

होती हैं कुछ खामियां: स्मार्ट कार्ड का एक नुकसान यह है कि अगर यह अचानक गुम हो जाए तो आपको कुछ दिनों तक कई तरह की असुविधाओं का सामना करना पड़ता है। साथ ही इसके हैक किए जाने की भी आशंकाएं होती हैं। लेकिन फिर भी स्मार्ट कार्ड ने जिंदगी को स्मार्ट और स्मूथ बना दिया है। *

गीत / शिवचरण चौहान

धूप में नहाने के दिन

बैठकर गीत गुनगुनाने के।
आए दिन धूप में नहाने के।।
फूलों के साथ खिल रही है।
भौरों के गले मिल रही है।
धूप सुबह से दोपहर तक
सरसों का तेल मल रही है।।
सिसियाती शिशिर को भगाने के।
आए दिन धूप में नहाने के।।
शहद सरीखी मीठी मन भायी।
धूप देख चिड़िया भी हर्षायी।
फूलों के चेहरों पर लाली है
कली-कली लगती है मुसकायी।
गालों में उबटन लगवाने के।
आए दिन धूप में नहाने के।।

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

कविता से मुलाकातें

आलोकधन्वा के पहले कविता संकलन 'दुनिया रोज बनती है' के पचीस साल बाद उनका दूसरा संग्रह 'मुलाकातें' हाल में छपकर आया है। ये कविताएं पढ़कर साबित होता है कि आलोक कविताएं केवल रचते नहीं, उन्हें अपने भीतर जीते भी हैं। कई कविताओं में ऐसी पंक्तियां हैं, जो विचलित कर देती हैं। इनमें विस्थापन की टीस है, अधूरी रह गई आकांक्षाओं का दर्द है, समाज की भयावह निष्ठुरता के चिन्ह हैं तो जीवन की नश्वरता के बोध से उपजा दर्शन भी है। खासतौर पर देश के विभाजन का जख्म उन्हें आज भी बेचैन बनाए हुए है। उनकी बेचैनियां कविताओं में प्रभावी ढंग से व्यक्त हुई हैं। वे कहते हैं-*अगर भारत का विभाजन/ नहीं होता/ तो हम बेहतर कवि होते/ बार-बार बारूद से झुलसते/ कत्लगाहों को पार करते हुए/ हम विडंबनाओं के कवि बनकर रह गए।* ये कविताएं अनकहे शब्दों में कहती हैं कि आज के दौर में कवि होना कितना त्रासद हो सकता है। *

पुस्तक: मुलाकातें, **रचनाकार:** आलोकधन्वा, **मूल्य:** 199 रुपए, **प्रकाशक:** राजकमल पेपरबैक्स, नई दिल्ली

लघुकथाएं

एहसास

बात कुछ दिनों पहले की है, उस दिन घनश्याम जी खामोशी में बैठे अपने अतीत में खोए हुए थे। बेटे रवि ने आकर कहा, 'बाऊजी, अब आप यहां गांव में नहीं रहेंगे। कल सुबह हम सब दिल्ली चलेंगे।' तीन माह पहले ही रवि की मां का देहांत हुआ था। वह पहले भी कई बार मां-बाबूजी को शहर चलने के लिए कह चुका था, लेकिन दोनों शहर ना जाने के बहुत सारे कारण गिना देते। इस बार रवि के साथ शहर ना जाने का कोई कारण नहीं था। हालांकि रवि के चाचा-चाची ने उसे आश्वस्त किया था, 'बेटा हम बड़े भाई साहब का पूरा ध्यान रखेंगे। गांव में उनका मन भी लगता है।' लेकिन रवि ने उनकी नहीं सुनी। घनश्याम जी को लेकर वह शहर आ गया। रवि अपने बाऊ जी को लेकर निश्चिंत हो गया था। वह और उसकी पत्नी आशा सुबह ऑफिस चले जाते। दो साल का बेटा नंदन डे-केयर में होता। कामवाली बाई सुबह ही नाश्ता और खाना बनाकर चली जाती। घर में अकेले घनश्याम जी रह जाते। जिस अकेलेपन का हवाला देकर रवि उन्हें शहर लाया था, वह अकेलापन दिन-ब-दिन और बढ़ता ही जा रहा था। जो घनश्याम जी को काटता था।

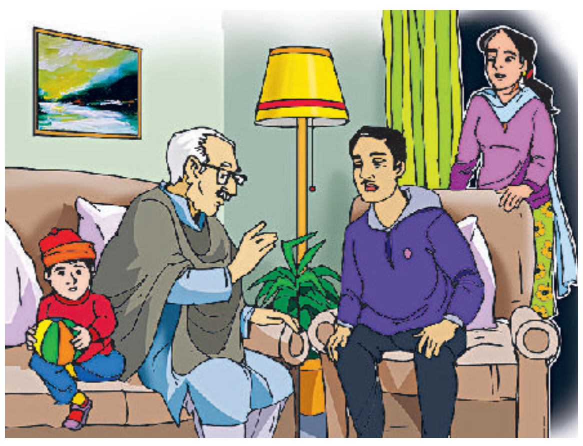

तभी दरवाजे की घंटी बजी, घनश्याम जी की तंद्रा टूटी। रवि, आशा और नंदन वापस घर आ गए थे। नंदन को देख घनश्याम जी खिल उठते थे। सुबह सबके जाने के बाद उदास हो जाते। उनकी हालत घर में रखे उस पौधे जैसी थी, जो पानी और खाद मिलते ही खिल उठता और अनदेखा होने के कारण मुरझा जाता। ऐसी स्थिति में लगातार रहने की वजह से घनश्याम जी बीमार रहने लगे। दिन-ब-दिन उनका स्वास्थ्य गिरता जा रहा था। व्यस्तता के कारण रवि, आशा और नंदन उनके साथ समय नहीं बिता पाते थे।

एक दिन बाबूजी ने रवि को पास बुलाया और बोले, 'बेटा, मुझे पता है, तुम्हें मेरी चिंता रहती है, लेकिन तुम्हारे पास समय की कमी है, मैं तुम्हारी मजबूरी समझता हूं। अपने दिल पर कोई बोझ ना रखो, हमें गांव छोड़ आओ। वहां तुम्हारे चाचा-चाची हैं, भतीजा दिनेश उसकी पत्नी मीना और उसका बेटा गोलू भी है। उनके साथ मेरा मन लगा रहता है। मुझे वहीं पहुंचा दो। जब छुट्टियां हुआ करेंगी, तुम गांव मुझसे मिलने आ जाया करना या मुझे दो-चार दिन के लिए बुला लिया करना। मैं आ जाया करूंगा।' देर से ही सही, रवि को इस बात का एहसास हो गया कि पौधे को जड़ से उखाड़ कर नई जगह लगा देने भर से ही वो पौधा नहीं लग जाता, उसे समय-समय पर खाद, पानी और धूप की भी जरूरत होती है। रवि ने जल्द ही बाबूजी को वापस गांव पहुंचा दिया। अब छुट्टियों में वह परिवार सहित गांव आ जाता है। घनश्याम जी भी कभी-कभी कुछ दिनों के लिए रवि के पास शहर आ जाते हैं। *

-प्रगति त्रिपाठी

व्यवहार

सेठ जयराम का नाम दूर-दूर तक मशहूर था। वह शहर के प्रतिष्ठित, वैभवशाली और दयावान व्यक्ति माने जाते थे। गरीब और मजबूर लोगों को काम देते, उनका सहारा बनते थे। बेटा कुशल ठीक उनके विपरीत स्वभाव का था, क्रोधी और घमंडी। वह हर रोज किसी ना किसी से वेवजह उलझता रहता था। उसकी अभद्र भाषा और अशिष्टता से लोग उससे परेशान रहते, उससे दूरी बनाकर रखते। कुशल अपने रुआब में ही रहता। जब भी मौका मिलता अपने कर्मचारियों को पीट भी देता। एक दिन सेठ जयराम कुशल को अपने साथ एक जमीन दिखाने ले गए, जहां उन्हें एक नया कारखाना लगाना था। सेठ जी ने बेटे को जगह दिखाते हुए कहा, 'कुशल, यहां हमें एक नया कारखाना खोलना है। तुम्हें यह जगह कैसी लगी?' कुशल ने अहं भाव से जवाब दिया, 'जिस कारखाने का मैं मालिक होऊंगा। जहां मुझे जानने वाले होंगे, वह जगह ही नहीं, लोग भी कैसे खराब हो सकते हैं? मैं जब, जैसा चाहूंगा, वैसे काम करा लूंगा। पिताजी आप निश्चिंत रहें। यहां मेरा दबदबा रहेगा।'

यह सुनकर सेठ जयराम को चिंता हुई। तभी उनकी नजर पास में ही लगे एक पेड़ पर पड़ी। उन्होंने उसका फल अपने ड्राइवर से तुड़वाया और कुशल को चखने के लिए दिया। एक पल बाद सेठजी ने पूछा, 'बेटा, इस फल का स्वाद कैसा है, बताना तो?' कुशल मुंह बनाकर बोला, 'यह फल तो बहुत खट्टा है।' सेठ जयराम ड्राइवर से बोले, 'कुशल को जरा पानी तो पिलाओ।' कुशल ने पानी पिया और बोला, 'यह तो कमाल का फल है पिताजी। अब तो फल का स्वाद बिल्कुल विपरीत हो गया, मीठा मीठा!' सेठ जयराम मुस्कुराते हुए बोले, 'इस फल का नाम आंवला है। अपने भीतर इसी फल जैसा व्यवहार लाओ। भीतर से मीठे स्वभाव के बनो, सहृदय बनो। परिचय और नाम बस कुछ समय तक काम आते हैं। कर्म और व्यवहार किसी भी मनुष्य के हृदय में हमेशा बने रहते हैं। इसके आधार पर ही इंसान सबका दिल जीतता है। जीवन में सफल होने के लिए यह समझना बहुत जरूरी है।' कुशल अपने पिताजी की बात पर निरुत्तर हो गया। *

-प्रियंका वल्लरी

सर्दी का उपहार

बाहर बहुत सर्दी थी। रीना घर के अंदर बैठी चाय की चुस्कियां ले रही थी। उसने अदरक की जायकेदार चाय बनाई थी। रीना के घर की खिड़की से बाहर सड़क पर रेहड़ी लगाए लोग दिखाई देते हैं। वह अकसर खिड़की के पास बैठकर बाजार की चहल-पहल का आनंद लेती। रीना ने देखा, ठेले पर अदरक बेच रहा बुजुर्ग आदमी सर्दी से कांप रहा है। बुजुर्ग ने पतली कमीज पहनी हुई थी। जिसके ऊपर उसने एक पुराना कोट पहन रखा था, जो कई जगह से फटा था। कोट सर्दी रोकने में नाकाम था। यह देखकर रीना को अपने बचपन के दिन याद आ गए। तब उसके घर के आर्थिक हालात ठीक नहीं थे। ठिठुरते जाड़े में उसके पिताजी और बाबा भी ऐसे ही फटे और पुराने कपड़ों से सर्दी रोकने की कोशिश करते थे। वह खुद भी मामूली कपड़ों में रहती थी। उसके पास ऊनी कपड़ों का अभाव था। रीना बचपन में यही सोचती थी, जब बड़ी हो जाएगी, कमाएगी तो अपने पापा और बाबा के लिए कोट और ऊनी कपड़े खरीदेगी। यह सब सोचकर वह सिहर सी उठी। बचपन की बातों की ठंडक उसे गर्म कमरे में महसूस होने लगी। वह उठी और पास के ऊनी कपड़ों की शॉप में चली गई। वहां उसने एक ऊनी स्वेटर, टोपी और मफलर खरीदा और आ गई अदरक बेचने वाले बुजुर्ग के पास। रीना गरम कपड़ों का थैला उसकी ओर बढ़ाते हुए बोली, 'ये आपके लिए छोटा सा उपहार है।'

रीना की बात सुनकर बुजुर्ग को कुछ समझ में नहीं पाया, वह बुदबुदाया, 'कैसा उपहार बिटिया!' 'आप इतनी अच्छी अदरक जो बेचते हैं। यह इसी का उपहार है।' रीना ने कहा। यह कहकर वह वापस घर लौट आई। उसे आज बहुत अच्छा लग रहा था। रीना को लग रहा था जैसे उसने आज अपने स्वर्गीय पिता और दादा जी को ऊनी कपड़े भेंट किए हैं। अब जब वह खिड़की से उस बुजुर्ग को स्वेटर, मफलर और टोपी पहने देखती है तो उसे बहुत सुकून महसूस होता है। *

-ललित शौर्य

लेखक ध्यान दें...

लेखक रविवार भारती में प्रकाशनार्थ अपनी रचनाएं / लेख कृपया ई-मेल आईडी haribhoomifeaturedep@gmail.com पर भेजें।

कीलादी साइट म्यूजियम

अतीत की छवियों का कोलाज

तमिलनाडु में वैगई नदी के तट पर ऐतिहासिक संगम युगीन एक शहरी सभ्यता के प्रमाण संरक्षित किए गए हैं। इस सभ्यता से जुड़ी चीजों को आप यहां बने कीलादी साइट म्यूजियम में देख सकते हैं। हाल में लेखक ने अपनी दक्षिण भारत यात्रा के दौरान कीलादी के इस साइट म्यूजियम को भी देखा। वहां के अनुभव को साझा कर रहे हैं लेखक अपनी जुबानी।

टूरिस्ट स्पॉट / समीर चौधरी

मदुरै (तमिलनाडु) के दक्षिण पूर्व हाईवे पर शिवगंगा जिले की तरफ जाते हुए धूल के गोल-गोल गुबारों ने सड़क को काल्पनिक आइनों में बदल दिया था। मात्र 13 किमी. के सफर के बाद राइट टर्न लेते ही पक्की सड़क, धूलभरी कच्ची सड़क में बदल गई। दोनों तरफ लहलहाते खेत दिखने लगे, और यह सिलसिला वहां तक जारी रहता है, जहां गहरे गड्ढों को एस्बेस्टस की छतें गार्ड करती हैं। इस बंद रास्ते पर ही भारतीय आर्कियोलॉजी विभाग ने एक महत्वपूर्ण ऐतिहासिक धरोहर को दुनिया के सामने उजागर किया है। हम कीलादी पहुंच गए थे।

मिले हैं प्राचीन सभ्यता के प्रमाण

वैगई नदी के किनारे वनीय पृष्ठभूमि में 110 एकड़ से अधिक में फैला हुआ क्षेत्र है-कीलादी। चारों ओर लहलहाते खेत और नारियल के पेड़। खुदाई के नौ चक्रों के दौरान इस टीले ने उस विकसित सभ्यता की चीजों और साक्ष्य प्रस्तुत किए हैं, जो छह से एक ईसा पूर्व यहां अस्तित्व में थी। यहां प्राप्त कलाकृतियों ने संगम युग की धारणा को 300 वर्ष पीछे कर दिया है और इस अनुमान में संशोधन किया कि यह युग 3 ईसा पूर्व में आरंभ हुआ था। कीलादी की खुदाई में जो ऐतिहासिक धरोहर मिली है, उससे स्पष्ट होता है कि गंगा घाटी में जो दूसरा शहरीकरण हुआ था, वह तमिलनाडु में भी 6 ईसा पूर्व में हुआ था। यहां मौजूद विशाल जियोमेट्रिक गड्ढे एक ऐसी सभ्यता के संकेत देते हैं, जिसमें ईंटों की विकसित इमारतें, पानी के पाइप, विस्तृत चमक वाले पॉट्स, खिलौनों के टुकड़े और ढाले गए सिक्के प्रयोग किए जाते थे। इन सभी चीजों को म्यूजियम में बर्तनों के टूटे हुए टुकड़ों के ढेर के पास प्रदर्शित किया गया है। इनके बारे में समझाते हुए शेड की दीवारों पर पोस्टर लगे हैं, जिनसे यह भी मालूम होता है कि तमिल ब्राह्मी लिपि, अनुमान से बहुत पहले की है। कीलादी के गहरे गड्ढों में उस सभ्यता के निशान मिलते हैं, जो कभी अपने चरम पर थी। इस ऐतिहासिक डेड एंड से मात्र एक किमी. के फासले पर एक महलनुमा इमारत है, जो क्लासिक चेट्टीनाड शैली में बनी है। यह समतल मैदान में ऊपर की तरफ उठी हुई है।

साइट पर ही बना है म्यूजियम

एक परिपक्व समाज अपने अतीत की जड़ों को तलाश करने का प्रयास करता रहता है। इसके महत्व को समझते हुए ही राज्य सरकार खुदाई के लिए प्रतिवर्ष 5 करोड़ रुपए का बजट निर्धारित कर रही है। फिलहाल, इसी साइट पर कीलादी म्यूजियम बनाया गया है। लगभग 18 करोड़ की लागत से तैयार किए गए इस म्यूजियम का उद्घाटन इसी साल मार्च में हुआ था। कई तरह की रोशनियों से म्यूजियम रात में जगमगा उठता है और दशहरे में सजने वाले मैसूर पैलेस की याद दिलाता है। अब तक इसमें लगभग दस लाख पर्यटक आ चुके हैं। इसमें कोई दो राय नहीं है कि कीलादी प्रोजेक्ट की वजह से ही दुनिया का ध्यान तमिल सभ्यता के इस प्रमुख स्थल की ओर गया है। इसे प्रकाश में लाने के लिए जमीन को बहुत गहराई तक खोदना पड़ा था, जो आसान ना था। इस खुदाई के महत्व को बरकरार रखने के उद्देश्य से यथास्थान या साइट पर ही म्यूजियम बनाना तय किया गया, खुदाई में निकली सभी कलाकृतियों के साथ। आर्कियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया के देशभर में 44 साइट म्यूजियम्स हैं, जबकि तमिलनाडु ने 15 साइट म्यूजियम बनाए हैं।

म्यूजियम में हैं कई गैलरीज

पटना के बिहार म्यूजियम से प्रेरित होकर कीलादी म्यूजियम के दो एकड़ के कैंपस में अलग-अलग गैलरीज बनाई गई हैं। अधिकतर म्यूजियमों में सिर्फ प्रदर्शनीय वस्तुएं या दस्तावेज ही होते हैं, लेकिन यहां अनेक तत्वों के संगम को सुनिश्चित किया गया है, जैसे- कलाकृतियां, जो वैज्ञानिकों द्वारा सही साबित की गई हैं, रेप्लिका, इंटरएक्टिव गेम्स, सेंसरी एक्सपीरियंस, सेल्फी स्पॉट्स, संगम साहित्य के संदर्भ आदि। यह संगम साहित्यिक संदर्भों के अध्ययन के लिए लिविंग लैब की तरह है। कीलादी में व्यापारों के आधार पर कलाकृतियों को श्रेणीबद्ध (लोहे के औजार, सिरेमिक्स, समुद्री व्यापार, कपड़ा बुनना, कृषि, जल प्रबंधन और जीवनशैली) किया गया है। इससे मालूम होता है कि वहां काफी विकसित शहरी बसावट रही होगी। म्यूजियम में जेवर और टूल्स के बीच हाथी दांत के कंघे, सोने के आभूषण, सिक्के, मोहरें, कीमती पत्थर आदि है, जो खामोशी के साथ संगम युग के कलाकारों की काबिलियत का गुणगान करते हैं। साथ ही बताते हैं कि उस समय समुद्र पार से खूब कारोबार किया जाता था। एक केस में छोटा सा रोमन सिक्का भी चमकता दिखा। यह छोटा जरूर था, लेकिन ऐतिहासिक दृष्टि से इसकी कीमत किसी खजाने से कम नहीं है। म्यूजियम का कब्र वस्तु सेक्शन आपको आश्चर्यचकित कर देगा। अंत्येष्टि कलश और कंकाल उसी मुद्रा में डिसप्ले किए गए हैं, जिसमें उन्हें पाया गया था। साथ में अंतिम सफर पर विदा करते समय जो चावल, इंद्रगोप मोती आदि अर्पित किए जाते थे, वो भी यहां रखे गए हैं।

कुल मिलाकर कीलादी में एक प्राचीन सभ्यता आंखों के सामने ऐसी छवियों का कोलाज उभारती है, जैसे-यह कल की ही बात हो। *

रेग्युलर वर्कप्रेशर के बीच

जरूरी है ब्रेक-एंज्वॉयमेंट

मन लगाकर काम करना अच्छी बात है लेकिन बिना ब्रेक लिए लगातार काम करना हेल्थ और लाइफ के लिए सही नहीं है। काम के बीच ब्रेक लेने के शारीरिक और मानसिक फायदों के बारे में आपको जरूर पता होना चाहिए।

सजेशन / अनीता जैन

आज अवकाश का दिन है, यह विचार ही व्यक्ति को तनाव रहित कर देता है, मन को चिंतामुक्त और भारहीन कर देता है। यही नहीं शरीर को भी ऊर्जा से भर देता है। अवकाश का मतलब है ऐसा समय, जिसमें आप बिना किसी तनाव और दबाव के कुछ पल गुजार सकें। इसलिए यह समय व्यक्ति का सबसे अधिक अपना होता है, लेकिन अवकाश का आनंद व्यक्ति तभी ले सकता है, जब वह कठिन मेहनत के दौर से गुजर कर थोड़ा ठहरना चाहता है। लगातार बिना ब्रेक लिए क्या आप कोई काम करना चाहेंगे? शायद आप कर भी लें, लेकिन एक समय के बाद फिर आपको थकावट महसूस होने लगती है। चाहकर भी काम में परफेक्शन नहीं आ पाता। बिना किसी तनाव के आप घर और ऑफिस के काम में बेहतर संतुलन बनाना चाहते हैं, तो खुद को रिचार्ज करने के लिए एक छुट्टी जरूरी है।

क्या कहते हैं शोध : अनेक शोधों से यह स्पष्ट हो चुका है कि जो लोग लगातार काम करते रहते हैं, उनमें तनाव, गुस्सा, थकान और चिड़चिड़ेपन जैसे लक्षण दिखाई देने लगते हैं, जिससे उनका काम प्रभावित होने लगता है। कहते भी हैं कि लगातार कार्य करके थका हुआ व्यक्ति यदि आराम ना करे तो वह अनेक शारीरिक और मानसिक बीमारियों का शिकार हो जाता है। इसके विपरीत जो लोग सप्ताह में एक दिन पूरी तरह काम-काज से खुद को रिलैक्स रखते हैं, जीवन का आनंद लेते हैं, उनमें बीपी, ब्रेन स्ट्रोक और हार्ट अटैक का खतरा कम हो जाता है और ऐसे लोग लंबी आयु जीते हैं। अवकाश ना सिर्फ थकान को दूर करता है, बल्कि शरीर को विश्राम देने के साथ-साथ मन को तरोताजा और प्रसन्न भी करता है। नतीजा हम तनावमुक्त होकर अपने सभी कार्य करते हैं। जर्मनी की हेल्थ कंसल्टेंट सबीने हार्न के अनुसार, 'यदि आप काम के दौरान ब्रेक नहीं लेते, तो आपकी रफ्तार खुद ही धीमी पड़ जाती है। ऐसे में आराम के लिए थोड़ा समय निकालना काम की गुणवत्ता में ही एक प्रकार का निवेश हैं, क्योंकि आराम के बाद आपका शरीर काम के लिए फिर से ऊर्जावान हो जाता है।' जो लोग समय-समय पर अवकाश लेते रहते हैं, वे ज्यादा खुश रहते हैं। उनको चिंता और तनाव जैसी समस्याएं परेशान नहीं करती हैं। इसलिए मौका मिलते ही आप बिजी रूटीन लाइफ से ब्रेक लेकर बाहर निकलें। इस दौरान जब मस्तिष्क को आराम मिलेगा, तो वह तरोताजा होगा और आप खुद को ऊर्जावान महसूस करेंगे।

ब्रेक लेने के हैं कई फायदे : जिस तरह भूखे होने पर भोजन का स्वाद अधिक अच्छा लगता है, प्यास लगने पर पानी पीना अच्छा लगता है और शरीर में थकान होने पर निद्रा का आनंद आता है, उसी तरह लगातार काम करने के बाद छुट्टी लेने का भी आनंद आता है। जिस तरह दिन भर कार्य करने के बाद रात्रि में नींद लेना अतिआवश्यक है, क्योंकि यह हमें शांति और नवीन ऊर्जा प्रदान करती है, उसी प्रकार लगातार काम करने के बाद अवकाश लेना जरूरी है। अवकाश लेना समय की बर्बादी नहीं बल्कि यह हमें तनावमुक्त और स्वस्थ रहने में मदद करता है। फिर से उत्साहपूर्वक कार्य करने के लिए हमें तैयार करता है। इसलिए हर व्यक्ति को अपनी-अपनी तरह से ब्रेक का लुत्फ उठाना चाहिए। ऐसी एक्टिविटीज जिसमें अपनी दिनचर्या से हटकर काम हो, जिसको करने से मन प्रसन्न हो, जहां पर रोजमर्रा के कार्यों को करने का दबाव ना हो, जहां पर हम अपनी मर्जी के मालिक हों। यह कुछ भी हो सकता है जैसे-बहुत सारे लोग छुट्टी का दिन सोने में व्यतीत करते हैं, कुछ लोग अपने बचे हुए कार्यों को पूरा करते हैं, कुछ लोग अपने बच्चों के साथ पिकनिक मनाने जाते हैं तो कुछ लोग अपने शौक को समय देते हैं।

कहने का सार यह है कि अवकाश या वर्क के बीच ब्रेक लेने का सही अर्थ तो यही है कि आप अपने जीवन को अधिक रचनात्मक और ऊर्जावान बना सकें। आप अपने कार्यों को ज्यादा बेहतर ढंग से कर सकें और अपने जीवन को अधिक प्रसन्नता से जी सकें। *

रोचक

3 फीट लंबा केकड़ा!

आमतौर पर नदियों, समुद्रों के आस-पास पाया जाने वाला केकड़ा कुछ सेंटीमीटर लंबा होता है। लेकिन आपको जानकर हैरानी होगी कि कोकोनट क्रैब नामक एक केकड़ा प्रजाति के सदस्य की लंबाई इससे कई गुना अधिक होती है। कोकोनट क्रैब के शरीर का वजन 4 किलोग्राम से अधिक और लंबाई 3 फीट से भी अधिक हो सकती है।

कोकोनट क्रैब, आर्थ्रोपोडा संघ का एक प्राणी है, जो समुद्रतटीय भूमि और द्वीपों पर पाया जाता है। कोकोनट क्रैब या रोबर क्रैब को यह नाम उसकी एक हैबिट की वजह से दिया गया है। असल में यह केकड़ा समुद्र तट पर लगे नारियल के पेड़ों पर अपनी मजबूत पकड़ की मदद से धीरे-धीरे ऊपर चढ़ जाता है। फिर नारियल के फल को जमीन पर गिराकर उसे अपने नुकीले-

मजबूत कांटों से उसके खोल को तोड़कर अंदर का नारियल खा जाता है। ये केकड़े हिंद महासागर, हिंद-प्रशांत क्षेत्र और दक्षिणी प्रशांत महासागर के द्वीपों पर पाए जाते हैं। *

प्रस्तुतिः देवेंद्र पांडे

जंतु जगत

के. पी. सिंह

कई तरह के पक्षियों के चहचहाने की आवाजें तो आपने जरूर सुनी होंगी। हम आपको बता रहे हैं, पक्षियों द्वारा विभिन्न आवाजें निकालने की वजह और तरीके के बारे में।

तरह-तरह की अनोखी आवाजें

निकालते हैं ये पक्षी

अलग-अलग तरह के पक्षी विभिन्न किस्म की ध्वनियां निकालते हैं, वे चहचहाते हैं, वे खड़खड़ाहट की ध्वनि पैदा करते हैं, कभी उनके गले से निकली आवाज सीटी बजने जैसी होती है, किसी-किसी पक्षी की आवाज से ट्रिल-ट्रिल की ध्वनि पैदा होती है, कभी-कभी ये तीखी तो कभी मीठी आवाज भी निकालते हैं।

ऐसे निकालते हैं ध्वनियां: पक्षी वैज्ञानिकों ने पक्षियों के द्वारा निकाली जाने वाली ध्वनियों को दो श्रेणियों में बांटा है। स्वरयुक्त ध्वनियां और बिना स्वर की ध्वनियां। स्वरयुक्त ध्वनियां उनके गले में मौजूद एक विशेष शारीरिक अंग की सहायता से निर्मित होती हैं। यह अंग केवल पक्षियों में विकसित हुआ है। इसे सिरिंक्स कहते हैं। यह अंग पक्षियों की श्वांसनली के बिल्कुल ऊपर स्थित होता है। इसलिए श्वांसनली के माध्यम से आने वाली हवा पतली झिल्लियों को कंपन करने और ध्वनि पैदा करने के लिए अनुकूल कारण बनती है। अमेरिकी क्रो (कौआ) के पास सबसे विकसित सिरिंक्स होता है। इस कारण ये विभिन्न किस्म की विविधतापूर्ण आवाजें नियंत्रण के साथ निकाल सकता है। लेकिन ये ध्वनियां हमें संगीतमय नहीं लगती हैं। दरअसल, दो अलग-अलग श्वांसनलियों यानी विंड पाइप की वजह से एक ही पक्षी एक ही समय में दो भिन्न किस्म की ध्वनियां निकाल सकता है। तोता और मैना ऐसे पक्षी हैं, जो बहुत स्पष्ट स्वर में कुछ कहते, बोलते या गाते नजर आते हैं। तोता और पहाड़ी मैना के बारे में कहा जाता है कि ये इंसान की हूबहू आवाज निकाल लेते हैं।

कई आवाजें निकालने में सक्षम ऑस्ट्रेलिया में पाया जाने वाला लायर बर्ड

अमेरिकी कौआ

इसलिए निकालते हैं आवाजें : सवाल है, पक्षी विभिन्न तरह की आवाजें क्यों निकालते हैं? इसकी दो वजहें हैं। पहली वजह, प्रणय के लिए पार्टनर को लुभाना। वास्तव में ऐसा करके वे अपना जोश प्रदर्शित कर रहे होते हैं। पक्षियों की लगभग सभी प्रजातियों में सामान्य तौर पर नर पक्षी ही मोहक आवाज निकालता है, जिसका प्रयोजन समागम हेतु मादा को आकर्षित करना होता है। दूसरी वजह, पक्षी द्वारा अपने क्षेत्र विशेष की रक्षा करना होता है।

राग में आवाज निकालने वाले पक्षी : अध्ययन के अनुसार, बुलबुल पक्षी की आवाज सभी पक्षियों में सबसे मधुर और मॉकिंग बर्ड की आवाज सबसे ज्यादा कर्कश मानी जाती है। हाल में हुए एक शोध का निष्कर्ष इस ओर इशारा करता है कि इंसान की तरह कुछ पक्षियों की आवाज भी एक विशेष राग में होती है। पक्षी भी इंसान की तरह गाते समय अपनी गति और पिच में बदलाव करते हैं। इस दौरान स्वर में भी यह बदलाव देखा जा सकता है। ध्यान देने की एक बात यह है कि अधिकांश पक्षी दिन में ही गाते हैं, क्योंकि रात में वो सक्रिय नहीं होते हैं। रात में कुछ गिने-चुने पक्षी ही ऐसे सक्रिय रहते हैं। कोयल, पपीहा, हमिंग बर्ड जैसे पक्षी सबसे ज्यादा और मधुर स्वर में आवाज निकालते हैं।

सबसे नकलची पक्षीः कुछ पक्षी बहुत अजीब तरह की आवाज निकालते हैं। जैसे, ऑस्ट्रेलिया में पाया जाने वाला लायर बर्ड एक ऐसा पक्षी है, जो बच्चों के रोने की आवाज निकाल सकता है। यह आवाज की नकल करने में भी कुशल होता है। यह दुर्लभ पक्षी इंसान की आवाज, कुत्तों के भौंकने, कार के हॉर्न और सीटी की हूबहू नकल कर सकता है। वहीं, कबूतर जैसा दिखने वाला अफ्रीकी ग्रे बर्ड को सबसे अच्छा बोलने वाला पक्षी माना जाता है। वह सैकड़ों शब्दों की नकल कर लेता है। हालांकि इसका मतलब यह नहीं है कि वह इंसान के बोले गए शब्दों को समझता भी है। यह बिना कुछ समझे शब्दों और उसकी ध्वनियों की सिर्फ नकल करता है। यह पक्षी अफ्रीका महाद्वीप के कई देशों में पाया जाता है। *

पहाड़ी मैना

बड़ा पर्दा / हेमंत पाल

फिल्म प्रोडक्शन शुरू होने से लेकर उसकी बॉक्स ऑफिस कलेक्शन तक अंकों का बहुत महत्व होता है। लेकिन इसके साथ ही फिल्म टाइटल्स में भी अलग-अलग नंबर्स का यूज खूब किया जाता रहा है। जीरो से लेकर हजार-लाखों की संख्या का इस्तेमाल करने वाली कुछ हिंदी फिल्मों पर एक नजर।

फिल्म टाइटल्स में अंकों का खेल

फिल्मों का सबसे बड़ा आकर्षण होता है उसका टाइटल। दर्शक भी फिल्म का नाम देख-सुनकर ही उसके कथानक का अंदाज लगाते हैं। इसीलिए खूब विचार-विमर्श के बाद ही किसी फिल्म का टाइटल डिसाइड किया जाता है। दिल, मोहब्बत, प्यार, दोस्ती जैसे शब्दों के अलावा हिंदी फिल्मों के टाइटल्स में अंकों का भी खूब यूज किया जाता रहा है। अंकों पर आधारित टाइटल्स वाली कुछ फिल्मों के बारे में जानिए।

जीरो,वन, टू टाइटल वाली फिल्में : हालांकि शून्य यानी जीरो का मान कुछ नहीं होता लेकिन 'जीरो' टाइटल से भी एक फिल्म बनी है। इस फिल्म की असफलता ने इसके मान को शब्दशः साबित कर दिया। बात अगर एक नंबर की करें तो इस टाइटल वाली ढेरों फिल्में बनी हैं। इसी एक नंबर के चलते 'कुली नंबर वन', 'हीरो नंबर वन' और 'जोड़ी नंबर वन' जैसी फिल्मों के हीरो गोविंदा को तो नंबर वन का खिताब तक मिल गया। इनके अलावा 'एक झलक', 'एक गांव की कहानी', 'एक फूल चार कांटे', 'एक मुसाफिर एक हसीना' , 'बात एक रात की', 'एक था राजा एक थी रानी', 'एक दिल सौ अफसाने', 'एक सपेरा एक लुटेरा', 'एक राज', 'एक रात', 'एक कली मुस्काई', 'एक फूल दो माली', 'लाखों में एक', 'एक पहेली', 'एक नारी एक ब्रह्मचारी','एक बार मुस्कुरा दो', 'एक बेचारा', 'एक हसीना दो दीवाने','एक महल हो सपनों का','एक से बढ़कर एक', 'एक बार कहो', 'एक गुनाह और सही', 'एक दूजे के लिए', 'एक ही भूल' , 'एक जान हैं हम' , 'एक डॉक्टर की मौत', 'एक था राजा','बीवी नंबर वन', 'आंटी नं. 1', 'अनाड़ी नं. 1', 'बेटी नं. 1' , 'वन 2 का 4', 'एक और एक ग्यारह', 'शादी नं. वन', 'एक अजनबी', 'एक चालीस की लास्ट लोकल','वन टू थ्री', 'एकः द पावर ऑफ वन', 'एक था टाइगर','एक मैं और एक तू','एक दीवाना था', 'वन बॉय टू' और 'एक विलेन' में भी एक का यूज किया गया।

संख्याओं वाले फिल्मी टाइटल की दौड़ में दो भी पीछे नहीं है। इनमें 'दो बीघा जमीन', दूल्हे','दो आंखें बारह हाथ','दो दोस्त','दो दिल', 'दो बदन', 'दो कलियां', 'दो बूंद पानी', 'एक हसीना दो दीवाने', 'दो चोर','दो यार', 'दो गज जमीन के नीचे','दो जासूस', 'दो झूठ', 'दो ठग', 'दो लड़कियां','दो लड़के दोनों कड़के', 'दो शिकारी', दो कैदी', 'दो प्रेमी','दो और दो पांच' , 'दो दिलों की दास्तान', 'लहू के दो रंग', 'दो दूनी चार','चतुर सिंह-टू स्टार', 'वन बाय टू','2 स्टेट्स' के अलावा कुछ फिल्मों के रिमेक में भी दो नंबर जोड़ दिया गया है, जैसे-'डॉन-2', 'हाउसफुल-2' और 'भूल-भुलैया-2'।

इन फिल्मों में हुआ तीन से दस का यूजः तीन अंक के शीर्षक से बनी फिल्मों में राज कपूर, देव आनंद और शम्मी कपूर जैसे सुपर सितारों की फिल्में शामिल हैं, जैसे-'तीन देवियां','तीसरी कसम' और 'तीसरी मंजिल'। इसके अलावा 'त्रिदेव', 'त्रिनेत्र','तीसरा कौन','त्रिमूर्ति', 'पेज 3' ,'वन टू थ्री','थ्री ईडियट्स','तीन पत्ती','3 बैचलर्स', '3जी' और '3 दीवाने।' कुछ फिल्में ऐसी हैं, जिन्होंने अपने टाइटल का चौका लगाया। इन फिल्मों में 'तीन बत्ती चार रास्ता', 'चार दिल चार राहें', 'वन 2 का 4', 'क्रेजी 4', 'चार दिन की चांदनी' और 'चांडाल चौकड़ी' प्रमुख हैं। पांच अंक के शीर्षक से निर्माताओं ने '5 राइफल्स', 'दो और दो पांच', 'पांच कैदी', 'पांच फौलादी' और 'हम पांच' जैसी फिल्में बनाईं। लेकिन फिल्मों के टाइटल में छक्के कम ही लगे। इन फिल्मों में 'मनोरमा सिक्स फीट अंडर' और 'दिल्ली 6' शामिल हैं। सात नंबर से बनने वाली फिल्मों में 'सात हिंदुस्तानी','सत्ते पे सत्ता','वो सात दिन','सात साल बाद','सात समुंदर पार','सूरज का सातवां घोड़ा','सात रंग के सपने','सात सहेलियां' और 'सात खून माफ' प्रमुख हैं। आठ नंबर के टाइटल से कोई हिंदी फिल्म नहीं बनी, लेकिन नौ नंबर से देव आनंद ने 'नौ दो ग्यारह' बनाई तो वी शांताराम ने 'नवरंग' जैसी क्लासिक फिल्म बनाई। दस नंबर टाइटल से भी कई फिल्में बनीं। इनमें 'दस नंबरी','बाप नंबरी बेटा दस नंबरी','दस' और 'दस कहानियां' फिल्में बनीं। हालांकि फिल्म 'दस' पूरी नहीं बन सकी थी।

दस से अधिक संख्या वाले फिल्मी टाइटल्सः वैसे तो गिनती एक से दस तक ही होती है। लेकिन फिल्म वाले इससे भी आगे बढ़ गए। ऐसी फिल्मों में 'दो आंखें बारह हाथ','12 बजे','अलीबाबा40 चोर', '36 घंटे','सोलहवां सावन','36 चौरंगी लेन' ,'फिफ्टी-फिफ्टी','मैं सोलह बरस की','20 साल बाद','16 दिसंबर','एक और एक ग्यारह','14 पार्क एवेन्यू', '36 चाइना टाउन', '13 बी','तीस मार खां', 'टर्निंग 30','नॉटी एट 40','स्पेशल 26', गुरुदत्त की 'मिस्टर एंड मिसेज 55', 'लव-86', '99', '100 डेज', '36 घंटे', 'एक दिल सौ अफसाने','डायल-100', 'सौ करोड़' और 'सौ दिन सास के'जैसी फिल्म टाइटल्स से प्रोड्यूसर्स ने संख्या के शतक को पार किया। इसके बाद आरंभ हुआ हजार और लाख का सफर! इन फिल्मों में 'हजारों ख्वाहिशें ऐसी','हजार चौरासी की मां','ग्यारह हजार लड़कियां', 'लाखों में एक','दस लाख','लखपति', 'करोड़पति', '1942 ए लव स्टोरी','हाउस नंबर 44','83','102 नॉट आउट','1947 : अर्थ','रन-वे 34','1971', '2001','श्री 420', 'अब तक 56','पोस्ट बॉक्स नं 999', 'कैदी नंबर 911', 'विक्टोरिया नंबर 203','दफा 302', 'आईएम 24','खिलाड़ी 786', 'बिल्ला नंबर 786', 'चाची 420', '88 एनटॉप हिल', '40 दिन', नंबर 9211' शामिल हैं।

बहरहाल, नंबर टाइटल वाली फिल्में बनाने का सिलसिला अब भी जारी है। *

आसियान-जापान सहयोग की 50वीं वर्षगांठ

टोक्यो में आसियान-जापान शिखर सम्मेलन शुरू

टोक्यो(एजेंसी)। जापान और 10 दक्षिण पूर्व एशियाई देशों के संघ के बीच 50 साल की दोस्ती और सहयोग को चिह्नित करने के लिए टोक्यो ने शनिवार से तीन दिवसीय आसियान-जापान शिखर सम्मेलन की मेजबानी की।

आसियान के महासचिव कंबोडिया के काओ किम होर्न जापान के प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा के निमंत्रण पर 16 से 18 दिसंबर के शिखर सम्मेलन में आसियान सचिवालय से एक प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया। पिछले दशकों में आसियान-जापान संबंधों में प्राप्त उपलब्धियों का जायजा लिया और पारस्परिक रूप से लाभकारी व्यापक रणनीतिक साझेदारी की भविष्य की दिशा तय की। किशिदा इंडोनेशिया के राष्ट्रपति जोको विडोडो के साथ शिखर सम्मेलन की सह-अध्यक्षता की। वह रविवार को भव्य रात्रिभोज का भी आयोजन होगा।

चंद्रयान-3ः चांद पर इंसान जाएगा

नई दिल्ली। चंद्रयान-3 की सफलता ने पूरी दुनिया में भारत का डंका बजा दिया है। केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने

बताया कि आगे चांद पर इंसान को भेजने की तैयारी है। भारत 2040 तक यह कारनामा कर देगा। चंद्रयान-3 तो सिर्फ एक शुरुआत है। भारत की चंद्र मिशन को लेकर बड़ी तैयारी है। केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने बताया कि भारत कब तब चांद पर इंसान को भेजने की योजना को अमल में ले आएगा। गगनयान मिशन में मानव अंतरिक्ष उड़ान क्षमता के प्रदर्शन की परिकल्पना की गई है।

विजय दिवस: राष्ट्रपति मुर्मू, प्रधानमंत्री मोदी ने श्रद्धांजलि दी

1971 के युद्ध के शहीदों को किया याद

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के नेतृत्व में देशवासियों ने वर्ष 1971 के युद्ध के शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। इसी युद्ध से दक्षिण एशिया का राजनीतिक मानचित्र बदल गया और लाखों बांग्लादेशी लोगों पर पाकिस्तानी सेना द्वारा की गई हिंसा का अंत हुआ था। आज ही के दिन यानी 16 दिसंबर, 1971 को 90,000 से अधिक पाकिस्तानी सैनिकों के आत्मसमर्पण के बाद युद्ध में शानदार जीत के परिणामस्वरूप एक स्वतंत्र देश के रूप में बांग्लादेश का जन्म हुआ था। भारत 16 दिसंबर को 'विजय दिवस' के रूप में मनाता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वीर सैनिकों को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि उनका बलिदान और अटूट भावना देश के इतिहास में हमेशा अंकित रहेगी। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''आज, विजय दिवस पर हम सभी बहादुर नायकों को हार्दिक श्रद्धांजलि देते हैं, जिन्होंने 1971 में कर्तव्यनिष्ठा से भारत की सेवा की, जिससे निर्णायक जीत मिली।'' उन्होंने कहा कि उनकी वीरता और समर्पण राष्ट्र के लिए अत्यंत गौरव का स्रोत है। उनका बलिदान और अटूट भावना लोगों के दिलों और हमारे देश के इतिहास में हमेशा दर्ज रहेगी।''

राजनाथ ने वीर सपूतों को दी श्रद्धांजलि

इसलिए मनाते हैं

वर्ष 1971 में 16 दिसंबर को पाकिस्तान के 90 हजार से अधिक फौजियों ने आत्मसमर्पण कर दिया था, और भारत की शानदार जीत हुई थी। इस युद्ध के बाद दुनिया के नक्शे पर बांग्लादेश एक स्वतंत्र देश के रूप में अस्तित्व में आया था। भारत 16 दिसंबर को विजय दिवस के रूप में मनाता है। इस युद्ध में बीएसएफ ने अहम भूमिका निभाई थी।

सशस्त्र बलों पर गर्व : राजनाथ

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी युद्ध में सशस्त्र बलों के जवानों के 'अदम्य साहस और वीरता' को याद किया। हमें अपने सशस्त्र बलों पर गर्व है, जिन्होंने हर परिस्थिति में निडर होकर हमारे देश की रक्षा की है। उनका बलिदान और सेवा हमेशा हमारे दिलों में अंकित रहेगी।'' रक्षा मंत्री ने विजय दिवस पर राष्ट्रीय समर स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की और शहीदों को श्रद्धांजलि दी। इस दौरान रक्षा राज्य मंत्री अजय भट्ट, प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान, थल सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे, नौसेना प्रमुख एडमिरल आर. हरि कुमार, रक्षा सचिव गिरिधर अरमाने और वायु सेना के उप प्रमुख एयर मार्शल एपी सिंह ने भी श्रद्धांजलि अर्पित की।

दिल्ली में बीएसएफ की 'विजय दिवस परेड'

नई दिल्ली (भाषा)। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने 1971 के बांग्लादेश मुक्ति संग्राम की याद में शनिवार को यहां पहले 'विजय दिवस परेड' का आयोजन किया। इस मुक्ति संग्राम में भारतीय सशस्त्र बलों ने पाकिस्तान पर जीत हासिल की थी। बीएसएफ ने 'एक्स' पर पोस्ट किया कि बल के महानिदेशक नितिन अग्रवाल ने दक्षिण पश्चिम दिल्ली में सीमा प्रहरी बल के छावला कैंप में रस्मी परेड की सलामी ली तथा शहीद स्मारक पर श्रद्धांजलि अर्पित की। यह पहला मौका है जब बीएसएफ ने बल स्तर (केंद्रीय स्तर) पर पूर्ण 'विजय दिवस परेड' आयोजित किया है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने 2021 में इस युद्ध की 50 वीं वर्षगांठ पर कहा था, ''सीमा सुरक्षा बल ने बांग्लादेश की मुक्ति में अहम भूमिका निभायी थी'' तथा देश उन अधिकारियों एवं जवानों को सलाम करता है जिनके दृढ़ निश्चय एवं साहस ने 1971 में इतिहास रचा था। सन 2013 में पूर्व लोकसभा अध्यक्ष मीरा कुमार ने एक दिसंबर को बीएसएफ स्थापना दिवस समारोह में बतौर मुख्य अतिथि हिस्सा लिया था और याद किया था कि उनके पिता दिवंगत जगजीवन राम बीएसएफ के बारे में क्या कहा करते थे। कुमार ने छावला कैंप में कहा था, ''सन 1971 में जब बांग्लादेश मुक्ति संग्राम हुआ था तब मेरे पिता रक्षा मंत्री थे और वह कहा करते थे, 'यदि सेना का इस युद्ध में योगदान है तो उसमें बीएसएफ की भूमिका कम नहीं है।' वह आपकी वीरता एवं पराक्रम के बहुत बड़े प्रशंसक थे।''

यूएन में बोलीं रुचिरा कंबोज

आतंकियों और उनके मददगारों के प्रति अपनाएं शून्य सहिष्णुता

एजेंसी ▶▶ न्यूयॉर्क

संयुक्त राष्ट्र में भारत की स्थायी प्रतिनिधि रुचिरा कंबोज ने कहा कि आतंकियों और उनके मददगारों के प्रति शून्य सहिष्णुता की नीति अपनाई जाए। छोटे और हल्के हथियारों की अवैध आपूर्ति आतंक को जारी रखने में

आंतकियों की मददगार साबित हो रही है। यही कारण है कि उनतक हथियारों को पहुंचने से रोकने के लिए सभी देशों को मिलकर काम करने की जरूरत है। भारत सीमा पार आतंकवाद और हिंसा से ग्रस्त है। आतंकी अवैध हथियारों के बल पर इसे जारी रखने में सक्षम होते हैं। भारत इन छोटे और हल्के हथियारों के खतरों से भली भांति परिचित है। इन आतंकवादी संगठनों द्वारा हथियारों की मात्रा में वृद्धि हमें बार-बार याद दिलाती है कि वे समर्थन के बिना अस्तित्व में नहीं रह सकते हैं। यही कारण है कि इन हथियारों की पहुंच को रोकने के लिए वर्तमान अंतरराष्ट्रीय प्रक्रियाओं को और मजबूत करने की जरूरत है।

आतंकवादियों को मुहैया कराए जा रहे छोटे हथियार और गोला-बारूद

उन्होंने कहा कि भारत कई दशकों से आतंकवाद के अभिशाप से लड़ा है। भारत को इस बात की जानकारी है कि छोटे हथियारों और गोला-बारूद को हथियारों से लैस संगठन और आतंकवादियों को मुहैया कराया जा रहा है। तस्करी किए गए इन अवैध हथियारों का उपयोग करके की हमें काफी नुकसान पहुंचाया गया है। जिसमें अब ड्रोन का उपयोग भी शामिल है।

मंगलुरु के बंदरगाह पर पहुंचा तीसरा एमएस नौटिका जहाज

मंगलुरु (भाषा)। मार्शल द्वीप के ध्वज वाला 'एमएस नौटिका' जहाज 501 यात्रियों और चालक दल के 395 सदस्यों के साथ मंगलुरु के बंदरगाह पर पहुंचा। न्यू मैंगलोर पोर्ट अथॉरिटी ने शनिवार को कहा कि इस मौसम के दौरान बंदरगाह पर आने वाला यह तीसरा विदेशी जहाज है। 180.5 मीटर की कुल लंबाई और 30,277 टन की वहन क्षमता वाला जहाज शुक्रवार सुबह आठ बजे बंदरगाह पर पहुंचा। जहाज मुंबई और मोरमुगाओ बंदरगाहों से रवाना हुआ था। जहाज को बंदरगाह पर बर्थ संख्या चार पर खड़ा किया गया है। मंगलुरु के बैंड वादकों और अन्य कलाकारों ने पर्यटकों का स्वागत किया। मंगलुरु और उसके आसपास के स्थानों की यात्रा के लिए वाहनों पर सवार होने से पहले, आगंतुकों को

मेडिकल स्क्रीनिंग और आव्रजन तथा सीमा शुल्क काउंटर से गुजरना पड़ा। पर्यटकों ने पुराने सेंट अलॉयसियस चैपल, गोकर्णनाथेश्वर मंदिर और करकला गोमतेश्वर मंदिर सहित अन्य स्थानों का दौरा किया। उन्होंने शहर के स्थानीय बाजार में भी समय बिताया। जहाज शाम पांच बजे अपने अगले गंतव्य कोचीन बंदरगाह के लिए रवाना होगा।

अंधेरे में डूब कर ठहरी अमेरिका की आर्थिक राजधानी न्यूयार्क

वॉशिंगटन (भाषा)। अमेरिका का न्यूयॉर्क शहर रात के अंधेरे में डूब गया। न्यूयॉर्क के ब्रुकलिन स्थित कोन एडिसन पावर प्लांट में एक गड़बड़ी के चलते शहर की बिजली आपूर्ति ठप हो गई। इस गड़बड़ी से लोग जगह-जगह लिफ्ट में फंस गए तो कहीं सड़कों पर अंधेरा पसर गया। करीब 20 मिनट तक अमेरिका की वित्तीय राजधानी न्यूयॉर्क में लोग लिफ्ट्स में फंसे रहे और कई जगह लोगों को रेस्क्यू किया गया। पावर प्लांट से धुआं भी उठता हुआ देखा गया। इससे शहर की सड़कों और गलियों की भी लाइटें बंद हो गईं। लोगों का कहना है कि पावर प्लांट में धमाका हुआ था। कोन एडिसन पावर कंपनी ने कहा कि शॉर्ट सर्किट के चलते पावर प्लांट में धमाका हुआ। ग्राहकों को परेशानी हुई है। मरम्मत की जा रही है। हाईटेंशन ट्रांसमिशन लाइन में खराबी आई।

■ हाईटेंशन ट्रांसमिशन लाइन में खराबी

कहीं लिफ्ट में फंसे तो कहीं रोशनी गायब

यूएस में भारतवंशी सांसद बोले अमेरिकी जमीन पर साजिश न दोहराए भारत; जांच में मदद

भारत-अमेरिका रिश्तों के लिए खतरा बन सकता है पन्नू

एजेंसी ▶▶ वाशिंगटन

अमेरिका में भारतवंशी सांसदों का कहना है कि अगर खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की साजिश मामले में जांच नहीं हुई तो भारत और अमेरिका के रिश्ते खतरे में पड़ सकते हैं। एक जॉइंट स्टेटमेंट में पांच भारतवंशी सांसद एमी बेरा, प्रमिला जयपाल, रो खन्ना, राजा कृष्णमूर्ति और श्री थानेदार ने शुक्रवार देर रात कहा कि बेहद गंभीर मामला है। भारत यह सुनिश्चित करे कि ऐसा फिर कभी नहीं होगा। भारत ऐसी साजिश अमेरिकी जमीन पर दोबारा न करे और जांच में पूरा सहयोग करे। अमेरिकी सरकार ने आरोप लगाया था कि न्यूयॉर्क में पन्नू पर जानलेवा हमले की साजिश रची गई थी। इसमें भारत का हाथ था। इस साजिश को नाकाम कर दिया गया। वहीं, भारत सरकार ने इस पूरे मामले की

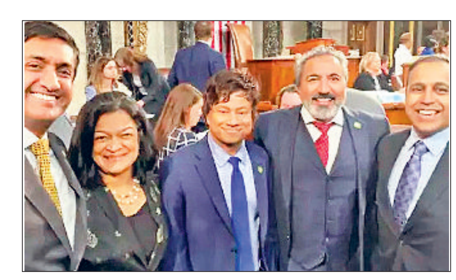

जांच के लिए हाई लेवल कमेटी बनाई है। जांच के नतीजों के आधार पर कार्रवाई की जाएगी। पन्नू के पास कनाडा और अमेरिका की नागरिकता है। आतंकी पन्नू ने कहा है कि वो न तो निखिल गुप्ता को जानता और न ही उस भारतीय अधिकारी को जिस पर हत्या की साजिश रचने के आरोप लगे हैं।

सुधारा नक्शा, विवाद बढ़ने पर मांगी माफी

पांचों भारतवंशी सांसदों को पन्नू मामले से जुड़ी जानकारी दी गई। अमेरिकी प्रशासन ने बताया गया कि पन्नू की हत्या की साजिश का आरोपी निखिल गुप्ता है। अमेरिका में खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की साजिश रचने के मामले में 29 नवंबर को न्यूयॉर्क पुलिस की चार्जशीट सामने आई थी। इसमें भारतीय नागरिक निखिल गुप्ता पर पन्नू की हत्या की साजिश का आरोप है। इसमें लिखा है- भारत के एक पूर्व अफसर ने उसे पन्नू की हत्या की प्लानिंग करने को कहा था।

Registrations open from **01 December 2023** till **30 December 2023**

ENTRY	AFCAT Entry	NCC Special Entry
BRANCHES	Flying/ Technical/ Weapon Systems/ Administration/ Logistics/ Accounts/ Education/ Meteorology	Flying (NCC Air Wing 'C' certificate is mandatory)

AFCAT Entry: Registration mandatory and online exam/ NCC Special Entry registration mandatory and no online exam
Aadhaar card is mandatory for online registration   Registrations starts from **01 December 2023**
For more details, refer to Employment News dated **25 November 2023** and for detailed notification visit our website **careerairforce.nic.in** and **afcat.cdac.in**
For updates, follow us on DISHA by Indian Air Force   careeriniaf   CareerinIAF
'DISHA' Cell, Air Headquarters, Vayu Bhawan, Motilal Nehru Marg, New Delhi - 110106 | Tel: 011-23013690 | Toll-free No.: 1800-11-2448 | E-mail: career.iaf@nic.in
cbc 10801/13/0015/2324

इस सप्ताह दो अहम मुद्दों ने सुर्खियां बटोरी। भाजपा ने तीन राज्यों में जीत के बाद नए चेहरे को सीएम बनाकर चौंकाया, तो संसद में वर्ष 2001 में संसद पर हुए आतंकी हमले की बरसी 13 दिसंबर को कुछेक अराजक लोगों ने घुसपैठ कर स्मोक बम (धुएं) से दहशत फैलाने की कोशिश की। भाजपा के नेतृत्व परिवर्तन का राजनीतिक विश्लेषण जरूरी है, वहीं यह कांग्रेस के अतीत में किए प्रयोग से कैसे अलग है, इसका भी आंकलन आवश्यक है। संसद में धुआं कांड ने संसद की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़ा किया है। कोई अगर दहशत फैलाने के मकसद से स्मोक बम सभी सुरक्षा चक्रों को भेदते हुए संसद के अंदर ले जा सकता है, तो वह खतरनाक रासायनिक हथियार भी ले जा सकता था। संसद की समूची सुरक्षा व्यवस्था की जांच जरूरी है, लेकिन इस पर भी विपक्ष की राजनीति दुर्भाग्यपूर्ण है। अतीत में संसद पर हमले के अलावा कई बार सुरक्षा चक्र भेदने के मामले भी हुए हैं, ऐसे में इस घटना की गंभीरता का आंकलन करता आजकल का यह अंक...

संसद में धुआं कांड के आरोपित

संसद में 'धुआं' आक्रोश या साजिश

विश्लेषण

सुशील राजेश
वरिष्ठ पत्रकार

13 दिसंबर, 2023 को उसी आतंकी हमले की 22वीं बरसी थी। उसी दिन संसद पर एक और प्रहार किया गया, जिसकी 2001 के आतंकी हमले से तुलना नहीं की जा सकती, लेकिन यह भी एक किस्म का आतंकवाद ही था। 2001 के हमले में हमारे 9 सुरक्षाकर्मी जवान और एक माली 'शहीद' हो गए थे। आतंकियों को भी ढेर कर दिया गया था। उसके बाद सुरक्षा-व्यवस्था में जो बदलाव किए गए, उनके मद्देनजर अकसर दावा किया जाता रहा कि परिंदा भी पर नहीं मार सकता, लेकिन सभी दावे खोखले साबित हुए। क्या आतंकी घुसपैठिए उन तक भी पहुंच सकते हैं? यह सवाल आज घोर चिन्तन-मनन का है। अब सरकार और विपक्ष को इस मुद्दे पर साझा विमर्श करना चाहिए कि संसद में सुरक्षा के चाक-चौबंद बंदोबस्त कैसे किए जा सकते हैं?

मैं 13 दिसंबर, 2001 को संसद पर आतंकी हमले का प्रत्यक्ष साक्षी रहा हूं। गुरुवार का दिन था। आसार थे कि ताबूत घोटाले पर संसद में हंगामा होगा और कार्यवाही चल नहीं पाएगी। ऐसा ही हुआ। संसद की कार्यवाही स्थगित होते ही कई सांसद अपने आवास की ओर जाने लगे थे। करीब 11.30 बजे तक संसद परिसर में सब कुछ सामान्य था। बम और विस्फोटकों से लदी एक कार आतंक बरपाने और 'अति विशिष्ट' लोगों को निशाना बनाने परिसर में घुस चुकी थी, इसका न तो सांसदों को इल्म था और न ही सुरक्षा-तंत्र कोई संदेह कर पाया था। करीब 11.40 बजे भयानक विस्फोट और गोलियों की तड़ातड़ आवाज़ ने सभी को चौंका दिया। स्तब्ध और सन्न कर दिया। कइयों के पांव भी लड़खड़ाए। पल भर में साफ़ हो गया कि 'लोकतंत्र के मंदिर' संसद पर भी आतंकी हमला हो चुका था। अंततः तत्कालीन प्रधानमंत्री अटलबिहारी वाजपेयी और गृहमंत्री लालकृष्ण आडवाणी की आशंकाएं सच साबित हुईं। उन्होंने अलग-अलग संबोधनों में आशंका जताई थी कि संसद भी 'अलकायदा' के निशाने पर है। बेशक 13 दिसंबर का हमला जैश-ए-मुहम्मद और लश्कर-ए-तैयबा के आतंकियों ने किया था, लेकिन उनके तार कंधार और तालिबान से जुड़े थे। आतंकियों ने जब हमला किया, तो मैं कुछ पत्रकार साथियों के संग द्वार नंबर 2 से बाहर आ रहा था। पलक झपकते ही एक सुरक्षाकर्मी ने हमें कंकरीट की एक बड़ी-सी शिला की ओट में धकिया दिया था। उसी पल संसद का सायरन गूंज उठा। सेना कमांडो की वर्दी में 5 आतंकवादी एंबेसडर कार नं. डीएल-3 सी जे 1527 के जरिये संसद भवन में घुसे थे। कार पर गृह मंत्रालय और हैबिटेट सेंटर, लोदी रोड के स्टीकर चिपके थे और छत पर लाल बत्ती लगी थी। बाद में गृह मंत्रालय का स्टीकर फर्जी निकला। कार द्वार नंबर 11 की तरफ बढ़ी, जहां से तत्कालीन उपराष्ट्रपति एवं राज्यसभा के सभापति कृष्णकांत और उपसभापति नज़मा हेपतुल्ला भीतर जाते थे। सुरक्षाकर्मियों ने कार की तेज गति को देखते हुए टोका और कार एक पेड़ से जा टकराई। आतंकी बाहर निकले और गेट नंबर 12 और 5 की तरफ बढ़े, जिधर से प्रधानमंत्री अकसर आते-जाते थे। उस दिन प्रश्नकाल में प्रधानमंत्री वाजपेयी को जवाब देने थे, लेकिन कार्यवाही स्थगित होने के कारण वह आवास पर ही थे। बहरहाल, आतंकी हमला हो चुका था।

एक और प्रहार

13 दिसंबर, 2023 को उसी आतंकी हमले की 22वीं बरसी थी। उसी दिन संसद पर एक और प्रहार किया गया, जिसकी 2001 के आतंकी हमले से तुलना नहीं की जा सकती, लेकिन यह भी एक किस्म का आतंकवाद ही है। 2001 के हमले में हमारे 9 सुरक्षाकर्मी जवान और एक माली 'शहीद' हो गए थे। आतंकियों को भी ढेर कर दिया गया था। उसके बाद सुरक्षा-व्यवस्था में जो बदलाव किए गए, उनके मद्देनजर अकसर दावा किया जाता रहा कि परिंदा भी पर नहीं मार सकता, लेकिन सभी दावे खोखले साबित हुए, जब लोकसभा में 'शून्य-काल' की कार्यवाही चल रही थी और अचानक दो युवकों ने 'दर्शक-दीर्घा' से छलांग लगा दी। कूदने के बाद एक युवक सांसदों की सीटों को फांदता रहा और सदन में अफरा-तफरी मच गई। दहशत में सांसद 'पकड़ो-पकड़ो' चिल्लाने लगे। अचानक एक युवक ने अपना जूता खोला और 'स्मोक कैन' का इस्तेमाल किया। नतीजतन लोकसभा में पीला-सा धुआं फैलने लगा। बसपा सांसद मलूक नागर, आरएलपी सांसद हनुमान बेनीवाल और एक सिख सांसद की बहादुरी ने युवक की घेरेबंदी की और सांसदों ने उन घुसपैठियों को दबोच लिया। खूब पिटाई भी की। बाद में मार्शल और सुरक्षाकर्मी आए और युवकों को पकड़ कर बाहर ले गए। सदन की कार्यवाही स्थगित की जा चुकी थी।

संसद के बाहरी इलाके में धारा 144 लागू होती है, लेकिन वहां बाकायदा 6 आरोपी संसद भवन के पास जमा हुए और फिर इस घटना को अंजाम दिया और दिल्ली पुलिस को इसकी भनक तक नहीं लगी। ऐसे में दिल्ली पुलिस पर सवाल उठना तो लाजिमी है। सूत्रों के मुताबिक, इस संसद सत्र के दौरान करीब 1200 हथियारबंद पुलिसकर्मी ड्यूटी पर तैनात थे। इनमें करीब 400 से ज्यादा पुलिसकर्मी दूसरे जिलों से यहां ड्यूटी करने आए थे, जबकि बाकी पुलिसकर्मी नई दिल्ली जिला पुलिस के थे। फिर भी संसद के भीतर धुआं कांड हुआ।

स्पष्ट संदेश

बेशक यह आतंकी हमला नहीं था, लेकिन युवकों के मंसूबे कमतर भी नहीं थे। पीला धुआं संसद के भीतर और बाहर भी फैलाया गया और खूब नारेबाजी की गई। घुसपैठिए धुआं फैला कर स्पष्ट संदेश देना चाहते थे कि भारतीय संसद के भीतर घुसकर हमला भी किया जा सकता है। धुआं ज़हरीला और जानलेवा भी हो सकता था। उन युवकों के पास हथियार या बम भी हो सकते थे, क्योंकि यह रासायनिक अस्त्रों का दौर है। कल्पना कीजिए कि 2001 के आतंकी हमले के दौरान 150-200 सांसदों को 'सेंट्रल हॉल' में बंद रखना पड़ा था। यदि आतंकी अपने हथियारों के संग सदनों के भीतर घुसने में कामयाब हो जाते, तो कितना बड़ा हादसा हो सकता था!

बदलाव करने की बात

इसी तरह घुसपैठियों द्वारा छोड़ा गया 'पीला धुआं' घातक और विषैला होता, तो उसके अंजाम कुछ भी हो सकते थे! यह सिर्फ सुरक्षा संबंधी गंभीर चूक नहीं है, बल्कि यह हमारी राष्ट्रीय सुरक्षा पर हमला भी है। खुफिया विभाग की भी नाकामी है। सुरक्षा बंदोबस्त और जांच-पड़ताल में गहरी दरारें हैं। हमारी संसदीय सुरक्षा धातु-आधारित रही है। उसमें जूता,प्लास्टिक और रबड़ आदि रडार पर नहीं आते। अब इसमें बदलाव करने की बात शुरू हो गई है। अब फुल बॉडी स्कैनर लगाने की भी चर्चा शुरू हुई है। दर्शक-दीर्घा में कांच की दीवार बनाई जा सकती है, ताकि सदन में कूदने की किसी भी संभावना को खत्म किया जा सके। यह प्रहार नये संसद भवन में हुआ है। सवाल है कि बीते तीन माह से संसद की सुरक्षा का आईपीएस प्रभारी, संयुक्त सचिव स्तर का अधिकारी, तैनात क्यों नहीं है? सरकार खाली पदों पर सुरक्षाकर्मियों की भर्ती क्यों नहीं कर रही है? क्या सिर्फ स्पीकर के विशेषाधिकार में ही संसद की सुरक्षा छोड़ी जा सकती है? यह संभव ही नहीं है। संसद में देश के प्रधानमंत्री, स्पीकर और सभापति, मंत्री गण और चुने हुए सांसद बैठते हैं और देश की दिशा और दशा तय करने के फैसले लेते हैं। क्या आतंकी घुसपैठिए उन तक भी पहुंच सकते हैं? यह सवाल आज घोर चिन्तन-मनन का है।

संसद की सुरक्षा में चूक को लेकर 8 सुरक्षाकर्मियों को बेशक सस्पेंड कर दिया गया है, लेकिन सच तो ये भी है कि इसके लिए काफी हद तक दिल्ली पुलिस का नई दिल्ली जिला पुलिस भी जिम्मेदार है। ऐसा इसलिए, क्योंकि संसद भवन के बाहर की सुरक्षा का जिम्मा दिल्ली पुलिस के पास है। सस्पेंड किए गए सभी आठ सुरक्षाकर्मी लोकसभा सचिवालय के सिक्योरिटी स्टाफ से हैं।

हंगामा करना महज राजनीति

क्या वे युवक या इस कांड के गिरफ्तार किए गए सभी किरदार 'आतंकवादी' हैं। सभी के व्यक्तिगत खुलासे देश के सामने हैं। एक बात मैं अपने अनुभव से स्पष्ट कर सकता हूं कि संसद के भीतर जाना बिल्कुल भी आसान नहीं है। सांसद के सिफारिशी पत्र के बावजूद दीर्घा तक पहुंचना सरल नहीं है। संसद की कार्यवाही कवर करने वाले पत्रकारों को भी कंप्यूटरीकृत सुरक्षा जांच से गुज़रना पड़ता है। दीर्घा से पहले एक छोटा-सा रिसेप्शन होता है, जहां बैग, मोबाइल, कोई अन्य संवेदनशील वस्तु आदि छोड़ कर आप दीर्घा में जा सकते हैं। दीर्घा में जाने वाले के पास एक पेन और नोटबुक की ही अनुमति है। आरोपितों के खिलाफ आतंकवाद रोधी अधिनियम यूएपीए की धारा 16 और 18 में मामले दर्ज किए गए हैं। आपराधिक साजिश, देश को तोड़ने, सांसदों के काम में बाधा डालने सरीखी धाराएं भी लगाई गई हैं। यूएपीए में ही फांसी या आजीवन कारावास की सजा दी जा सकती है। बेशक उच्चस्तरीय जांच की जा रही है। उसके ठोस निष्कर्षों के बिना गृहमंत्री सदन में वक्तव्य नहीं दे सकते, यह विपक्ष के सांसदों को भी ज्ञात होना चाहिए। लिहाजा लोकसभा में हंगामा करना महज राजनीति है। बेरोज़गारी और महंगाई, यकीनन, राष्ट्रीय समस्याएं हैं, लेकिन वे आतंकवाद या घुसपैठ अथवा किसी प्रहार के जरिये संसद के भीतर नहीं जा सकतीं। लिहाजा विपक्षी सांसद आरोपितों को 'बेचारा बेरोज़गार' या 'भूला-भटका' मत कहें। अभी तो यह यथार्थ सामने आना है कि संसद में कूदने वाले युवक और उनके 'मास्टर माइंड' कौन हैं? किस संगठन से जुड़े हैं या कौन उन्हें फंडिंग कर रहा है? जब कश्मीर में आतंकवाद और जेहाद चरम पर थे, तब भी सियासत की एक जमात युवा आतंकियों को 'भूला-भटका' मानती थी, लेकिन अकेले उस आतंकवाद ने करीब 45,000 जिंदगियां छीन ली थीं। पंजाब और पूर्वोत्तर के आतंकवाद की तो मैं चर्चा ही नहीं कर रहा हूं। और अब तो संसद पर प्रहार किया गया है। यह गंभीर बात है।

सुरक्षा की समीक्षा

घुसपैठियों की 'शहीद भगत सिंह' या 'नेताजी सुभाष चंद्र बोस' सरीखों से तुलना करना भी देशद्रोह है। महान क्रांतिकारियों को बदनाम करने का दुस्साहस है। इसका सभी खंडन करें और सोशल मीडिया को भी तलब करें। विपक्ष को यह बताना भी अनिवार्य है कि मैसूर के विवादित भाजपा सांसद प्रताप सिम्हा से स्पीकर ओम बिरला स्पष्टीकरण ले चुके हैं और जांच समिति भी उनसे पूछताछ करेगी। कमोबेश अब सरकार और विपक्ष को इस मुद्दे पर साझा विमर्श करना चाहिए कि संसद में सुरक्षा के चाक-चौबंद बंदोबस्त कैसे किए जा सकते हैं? सुरक्षित होना जरूरी है।

भविष्य के नजरिये से परखें नेतृत्व परिवर्तन को

तीन नए सीएम

उमेश चतुर्वेदी
वरिष्ठ पत्रकार

अपने फायदे के लिए राजनीति बेशक जज्बात का इस्तेमाल करती है, लेकिन असलियत में वह बेहद निर्मम होती है। इसे बिडंबना ही कहेंगे कि राजनीति जिस बुनियाद पर, जिसके नाम पर कदम-दर-कदम आगे बढ़ती है, वह लोक स्वभाव से कहीं ज्यादा भावुक होता है। हर चुनावों के बाद जज्बात का यह रेला उमड़ता है और कई बार इतिहास के कूड़ेदान में कहीं खो जाता है। पांच राज्यों में हुए विधानसभा चुनाव और तीन राज्यों में मिली प्रचंड जीत के बाद भाजपा ने जिस तरह के कदम उठाए हैं, उसके बाद जज्बातों का यह रेला एक बार फिर दिख रहा है। भाजपा के प्रशंसक और वोटर वर्ग में जहां मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे शिवराज सिंह चौहान के लिए भावनाओं का यह ज्वार कहीं ज्यादा उमड़ा दिख रहा है। दिलचस्प यह है कि जज्बात का यह रेला मोदी विरोधी मीडिया और राजनीति की ओर से भी हिलोरें लेता नजर आ रहा है, जो शिवराज के लिए बेचारा भाव दिखाते हुए मोदी-शाह की जोड़ी की रणनीति पर सवाल खड़े कर रहा है। हालांकि प्रशंसकों व मोदी विरोधी सियासी मोर्चे की भावुकता में भी राजनीति है। मोदी विरोधी खेमे की भावुकता में राजनीति की चाशनी ज्यादा है।

लेकिन सवाल यह है कि क्या नरेंद्र मोदी-अमित शाह की जोड़ी ही भारतीय लोकतांत्रिक इतिहास की पहली शख्सियत है, जो जज्बात और पारंपरिक राजनीतिक मुहावरों को किनारे रख रही है? यादों की खोह से जब हम गुजरेंगे तो हमें पता चलेगा कि यह पहला मौका नहीं है, जब किसी विजेता मुख्यमंत्री को अगली सरकार के नेतृत्व से वंचित कर दिया गया।

याद कीजिए, 1985 के विधानसभा चुनावों को। जिस मध्य प्रदेश के शिवराज को लेकर जज्बातों का ज्वार उमड़ रहा है, उसी मध्य प्रदेश और बिहार में 1985 में विधानसभा चुनाव हुए थे। मध्य प्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री अर्जुन सिंह की अगुआई में कांग्रेस चुनाव मैदान में उतरी थी। बेशक इंदिरा गांधी की हत्या की याद ताजा थी। लेकिन यह भी नहीं भूलना चाहिए कि भोपाल गैस त्रासदी से उपजे जख्म भी ताजे थे। कांग्रेस को ना सिर्फ जीत मिली, बल्कि पिछले 1980 के चुनावों की तुलना में दो सीटें ज्यादा यानी 250 सीटों पर जीत मिली थी। कुछ-कुछ आज ही की तरह के तब भी हालात थे। विपक्षी भाजपा की सीटें 60 से घटकर 58 रह गई थीं। यहां जान लेना जरूरी है कि तब मध्य प्रदेश से छत्तीसगढ़ अलग नहीं हुआ था। उस दौरान मध्य प्रदेश की विधानसभा में 320 सीटें होती थीं। अव्वल तो इस जीत का श्रेय अर्जुन सिंह को जाता था। इस लिहाज से एक बार फिर उन्हें ही राज्य की कमान मिलनी चाहिए थी। अर्जुन सिंह की

आस बेमानी भी नहीं थी। लेकिन राजीव गांधी ने उनकी जगह पूर्व पत्रकार और कभी राजनादगांव जिले के खबरनवीस रहे मोतीलाल वोरा को कमान सौंप दी थी। मोतीलाल ने राजनीति की शुरूआत सोशलिस्ट पार्टी से की थी। तब भी मध्य प्रदेश कांग्रेस में कई लोग ऐसे रहे होंगे, जिन्होंने कांग्रेसी राजनीतिक माहौल में ना सिर्फ सांस लेना शुरू किया होगा, बल्कि उनका सियासी कद आसमान छू रहा होगा। लेकिन राजीव गांधी ने मोतीलाल वोरा पर भरोसा किया।

1985 के ही शुरूआती महीनों में बिहार में भी विधानसभा के चुनाव हुए। तब कांग्रेसी सरकार की अगुआई चंद्रशेखर सिंह कर रहे थे। उनकी अगुआई में बिहार विधानसभा की 324 सीटों में से कांग्रेस ने 196 सीटों पर भारी जीत मिली थी, जबकि इसके ठीक पहले 1980 में हुए विधानसभा चुनावों में कांग्रेस को 169 सीटों पर जीत मिली थी। 1980 के चुनावों के आंकड़ों के हिसाब से देखें तो 1985 की जीत के लिए कुछ हद तक चंद्रशेखर सिंह को भी श्रेय दिया जाना चाहिए। इस लिहाज से मुख्यमंत्री की कुर्सी पर उनका हक बनता था। पिछले चुनाव की तुलना में 27 सीटें ज्यादा जीतने की वजह से उनका दावा और भी मजबूत था। लेकिन राजीव गांधी ने मध्य प्रदेश की तरह चंद्रशेखर सिंह की बजाय बिंदेश्वरी दुबे पर भरोसा किया और उन्हें कांग्रेसी ताज सौंप दिया गया। यह पता नहीं है कि 1985 में अर्जुन सिंह और चंद्रशेखर सिंह को लेकर आज के शिवराज के पक्ष में उठे जज्बात की तरह कोई लहर चली या नहीं। बहरहाल ऐसे में यह मानना कि शिवराज को मौका ना मिलना भारतीय राजनीति के लिए कोई पहली घटना है, वह गलत है, ऐसा अतीत में भी हो चुका है। राजस्थान, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश में जिस तरह जमे-जमाए नेताओं को मौका न देकर भाजपा ने जिस तरह नए व अनजान जैसे नेताओं को कमान सौंपी है, उसकी भाजपा से ज्यादा विरोधी खेमे की ओर से आलोचनाएं हो रही हैं। कहा जा रहा है कि मोदी-शाह का कदम प्रचलित राजनीतिक सिद्धांतों की बलि है। भाजपा में भी पहली बार ऐसा नहीं हो रहा है। याद कीजिए, 2003 के मध्य प्रदेश और राजस्थान के चुनावों को। तब मध्य प्रदेश में सुंदरलाल पटवा, गौरीशंकर शेजवार, विक्रम वर्मा, कैलाशचंद्र जोशी जैसे कद्दावर नेता मौजूद थे, लेकिन भाजपा ने उनकी तुलना में अपेक्षाकृत नई और युवा नेता उमा भारती को चुना। उमा भारती ने भी बीजेपी को निराश नहीं किया और 2003 में भाजपा को राज्य में भारी जीत मिली। इसी तरह जब उसी साल वसुंधरा पर भाजपा ने राजस्थान के लिए भरोसा जताया, तब बेशक राजस्थान भाजपा के दिग्गज भैरो सिंह शेखावत उपराष्ट्रपति बन चुके थे। उनके बाद ललित किशोर चतुर्वेदी, गुलाब चंद कटारिया, हरिशंकर भाभड़ा जैसे दिग्गज नेता तब राजस्थानी राजनीति में सक्रिय थे। जसवंत सिंह को भी इसी श्रेणी में रख सकते हैं, लेकिन पार्टी ने उनकी तुलना में नई वसुंधरा पर भरोसा जताया और उन्हें कमान सौंप दी। कुछ इसी तरह 2001 में गुजरात में नरेंद्र मोदी को भी कमान सौंपी गई। जबकि वहां केशुभाई पटेल, शंकर सिंह बाघेला, सुरेश राणा जैसे दिग्गज नेता पहले से ही थे, लेकिन पार्टी ने मोदी पर भरोसा जताया। इन नेताओं ने अपनी परिस्थितियों में बेहतर प्रदर्शन किया। अपने संगठन को भी ऊंचाई तक पहुंचाया और अपनी सरकारों को भी। 2001 के गुजरात के नए नेतृत्व की ताकत तो अब देश देख रहा है। नरेंद्र मोदी देश ही नहीं वैश्विक क्षितिज पर छा गए हैं। इन संदर्भों में कह सकते हैं कि भाजपा ने तीनों राज्यों में जिन नए नेतृत्वों पर भरोसा जताया है, उसकी भी वजह यही रही है कि ये संगठन और परिदृश्य को भविष्य में नई ऊँचाइयां देंगे।

इन अर्थों में कांग्रेस में बदले गए नेतृत्व को भी परखना होगा। यह देखना होगा कि उन्होंने किस तरह अपनी पार्टी को फायदा पहुंचाया। एमपी में मोतीलाल वोरा को देखिए। वे अगली बार अपनी सरकार को वापस नहीं जिता पाए। यही स्थिति बिहार में भी हुआ। बिंदेश्वरी दुबे 3 साल बाद ही हटा दिए गए। जगन्नाथ मिश्र आए। उसके बाद कांग्रेस बिहार में लौट ही नहीं पाई।

दरअसल कांग्रेसी और भाजपायी नेतृत्व परिवर्तन में सोच और दृष्टि को लेकर काफी अंतर है। बीजेपी के बारे में कहा जा सकता है कि नेतृत्व परिवर्तन की वजह नए नेतृत्व को उभारना और उसके जरिए संगठन को भविष्य के अनुरूप तैयार करना है, जबकि कांग्रेसी नेतृत्व परिवर्तन में या तो आलाकमान की अपनी पसंद-नापसंद दिखती रही है या फिर क्षत्रपों की मठाधीशी। कांग्रेसी राजनीतिक हल्के में यह प्रवृत्ति बीते विधानसभा चुनावों में भी दिखी। अगर कमलनाथ और दिग्विजय सिंह ने नए नेतृत्व के लिए राह खाली की होती या उन्हें मौका दिया होता, कुछ ऐसी सोच अशोक गहलोत की रहती तो शायद कांग्रेस के लिए चुनावी नतीजे ऐसे नहीं होते। लेकिन दोनों राज्यों में स्थापित नेतृत्व की दबंगई कायम रही। कांग्रेस का आलाकमान भी इनके सामने दयनीय रहा। तेलंगाना में उसने नए नेतृत्व पर भरोसा जताया और हालात बदल कर रख दिया। कांग्रेसी हल्के में नेतृत्व परिवर्तन के पीछे दूरंदेशी अंदाज कम नजर आता है, जबकि बीजेपी की सोच इसके उलट नजर आती है। हो सकता है कि नेतृत्व परिवर्तन के पीछे बीजेपी आलाकमान की अपनी पसंद और नापसंद भी रही हो, लेकिन मोटे तौर पर यह दृष्टिगोचर नहीं हो रहा। इसीलिए शायद बीजेपी लगातार आगे बढ़ती दिख रही है।

विरोध का तरीका सही नहीं

धुआं कांड

सुरेश हिंदुस्थानी
वरिष्ठ पत्रकार

लोकतंत्र में सरकार की कार्यप्रणाली से सहमत या असहमत होना एक जायज प्रक्रिया है। रचनात्मक विरोध लोकतंत्र को और भी मजबूत बनाता है, लेकिन अभी लोकसभा के अंदर जिस प्रकार से कुछ अराजक लोगों ने धुआं कांड करके दहशत पैदा करने की कोशिश की, वह अक्षम्य है। ऐसे अराजकों के खिलाफ कार्रवाई होनी ही चाहिए, पर उससे भी दुर्भाग्यपूर्ण है कि इस कांड पर राजनीति हो रही है। तथ्यात्मक बात यह है कि विपक्षी दलों ने आरोपियों पर कार्रवाई की मांग के बजाय सरकार को निशाने पर लिया है। सुरक्षा की जिम्मेदारी सरकार की होती है, इसलिए सरकार की ओर से इस मामले में जिम्मेदारी वाला व्यवहार किया ही जाना चाहिए, लेकिन विपक्ष का रवैया भी देश हित का होना चाहिए, क्योंकि अपराध को लेकर राजनीति करना देश के लिए घातक है। यहां सुरक्षा में चूक तो है ही, इसके लिए सुरक्षा एजेंसियां अपनी जिम्मेदारी से मुंह नहीं मोड़ सकतीं।

वर्तमान में देश की सभी समस्याओं के लिए जिम्मेदार ठहराने के लिए केंद्र सरकार को निशाने पर लेना एक आम बात होती जा रही है। इसके लिए राष्ट्रीय एकता और संप्रभुता की मर्यादाओं को भी लांघने का कृत्य भी यदा-कदा दिखाई देता है। यह बात सही है कि विविधता वाले भारत देश में कोई एक बात सबको सही लगे, यह हो ही नहीं सकता, लेकिन लोकतंत्र यही कहता है कि विरोध जताने का तरीका अहिंसक, लोकतांत्रिक व शांतिपूर्ण होना चाहिए। व्यक्तिगत स्वार्थ व्यक्ति को अधिकांशतः गलत मार्ग पर ही ले जाने के लिए प्रेरित करता है। विपक्ष का रवैया आरोपियों के हौसले बढ़ाने वाला है, वे आरोपियों पर नरम और सरकार पर गर्म हो रहे हैं। हालांकि यह भी सर्वथा सत्य है कि देश की संसद पर इस प्रकार का कृत्य सरकार द्वारा प्रायोजित सुरक्षा पर भी अनेक प्रकार के सवाल स्थापित करता है। विपक्ष की ओर से उठाए जाने वाले सवाल जायज हैं, लेकिन सुरक्षा के मुद्दे को राजनीतिक रूप से उठाना अत्यंत गंभीर है। विपक्षी दल के सांसद भी देश की संसद का हिस्सा हैं, इसलिए उनकी भी भारत की संवैधानिक संस्थाओं के प्रति जिम्मेदारी कम नहीं होती। सरकार के हर कदम की आलोचना करना मात्र ही राजनीति नहीं होती। राजनीति में देश भाव दिखना चाहिए।

आज देश का राजनीतिक वातावरण एक प्रकार से प्रदूषित जैसा दिखाई देता है। देश में इस राजनीतिक प्रदूषण के लिए हर राजनीतिक दल जिम्मेदार है, क्योंकि आज के राजनीतिक दल एक दूसरे को नीचा दिखाने और स्वयं को स्थापित करने की राजनीति करते दिखाई देते हैं। वास्तविकता यह है कि इस प्रकार की राजनीति किसी भी प्रकार से देश हितैषी नहीं कही जा सकती, लेकिन सवाल यह भी है कि संसद की मजबूत सुरक्षा व्यवस्था को चुनौती देते हुए कुछ लोग असंसदीय हरकत कर देते हैं। यह घटना सरकार के सुरक्षा इंतजामों पर गहरे सवाल अंकित करती है। अगर विपक्षी दल सरकार के गृह मंत्री पर सवाल उठाते हैं तो इसमें गलत क्या है। गृह मंत्री को जवाब देना ही चाहिए, क्योंकि गृहमंत्री जवाब नहीं देंगे तो कौन देगा? यहां पर सवाल यह भी आता है कि अगर गृह मंत्री जवाब देने के लिए आते हैं तो क्या विपक्ष उनको सुनने को तैयार होगा? ऐसा इसलिए कि कई बार विपक्षी दल चर्चा से भागे हैं। हालांकि सुरक्षा बलों ने सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार होने वाले आरोपियों से पूछताछ हो रही है।

इस घटना को चाहे कुछ भी रूप दिया जाए, लेकिन इतना अवश्य कहा जा सकता है कि इन सभी ने कानून अपने हाथ में लिया है। विपक्षी नेता इन आरोपियों के बारे में यह वकालत करते दिखते हैं कि वह बेरोजगारी के कारण मोदी सरकार से दुखी थे, और वे सरकार के विरोध में आक्रोश व्यक्त कर रहे थे। परंतु विपक्षी दलों को यह भी समझना चाहिए कि क्या आक्रोश व्यक्त करने का यह तरीका ठीक था? इसका प्रथम दृष्टया उत्तर यही होगा कि विरोध करने का स्थान संसद नहीं

होना चाहिए। जैसे विरोध के अन्य आंदोलन होते हैं, वैसे ही लोकतांत्रिक तरीके से विरोध करना चाहिए। यहां एक सवाल यह भी आ रहा है कि जो विरोध करने वाले हैं, उनको संबल कौन दे रहा है? उनके पीछे कौन हैं? भाजपा के वे सांसद जिन्होंने इन धुआं कांड के आरोपियों का पास बनवाने में सहयोग किया, आखिर उनसे चूक कैसी हुई? क्या वे सांसद भी धुआं कांड की साजिश करने वालों के शिकार बन गए? पास बनवाने में मदद करने वाले की भूमिका की जांच होनी चाहिए। संसद में हुई घटना के निहितार्थ कुछ भी हों, लेकिन सुरक्षा का विषय कभी राजनीतिक नहीं होना चाहिए। आरोपियों की कार्यवाही के बाद लोकसभा में जिस प्रकार का दृश्य दिखाई दिया, उससे एक भय पैदा हुआ। सांसद इधर उधर भागने लगे। आतंक की स्थिति निर्मित हो गई थी। यह एक प्रकार से सुरक्षा बलों की नाकामी ही थी। और भी बड़ी घटना हो सकती थी, क्योंकि आरोपी जिस प्रकार से संसद के अंदर पहुंचने में सफल हो गए, उसके आधार पर कहा जा सकता है कि ऐसे ही खतरनाक इरादों वाले भी पहुंच सकते थे। इसके बाद फिर वैसा ही दृश्य उपस्थित होने में देर नहीं लगती, जो 2001 में 13 दिसंबर को दिखाई दिया था। सवाल यह भी है कि आरोपियों ने इसी दिन को क्यों चुना? क्या इसके तार भी उस घटना से जुड़े हैं। इस बात की जांच की जानी चाहिए। खैर, जो भी हो घटना को हल्के में नहीं लेना चाहिए। सत्ता पक्ष और विपक्ष को भी इसकी गंभीरता समझना चाहिए, क्योंकि यह सब सुनियोजित तरीके से किया गया था। नारे लगाना और स्मोक बम फोड़ना उस स्थान पर सामान्य बात नहीं है, जहां ऐसा करना प्रतिबंधित हो। इस घटना को देश मानस के हिसाब से देखना चाहिए, राजनीतिक दृष्टि से नहीं।

खबर संक्षेप

शादी में लहंगा नहीं पहनेंगी सिख दुल्हन

चंडीगढ़। सिख दुल्हनों के लिए नया ड्रेस कोड तय कर दिया गया है।

तख्त श्री नांदेड़ साहिब में पांच सिंह साहिबान ने इस बारे में प्रस्ताव पारित किया। लावां के दौरान सिख दुल्हन को लहंगा नहीं बल्कि पूरा सूट पहनना चाहिए। सिर पर चुन्नी होनी चाहिए। जत्थेदारों ने कहा कि भारी लहंगा पहनने से दुल्हन को गुरु साहिब के सामने नतमस्तक होने में दिक्कत होती है। इसलिए यह फरमान दिया है।

चमोली पुलिस का फेसबुक पेज हैक

चमोली। साइबर अपराधियों ने चमोली पुलिस का ऑफिशियल फेसबुक पेज हैक कर दिया। पुलिस

के लोगो वाली तस्वीर को हटाकर वहां आपत्तिजनक तस्वीर लगा दी। साइबर अपराधियों ने इससे पहले भी उत्तराखंड पुलिस का फेसबुक पेज हैक किया था। शुरुआत में कोई समझ ही नहीं पाया कि ये पुलिस का ऑफिशियल पेज ही है या किसी ने बनाया है।

लखनऊ में बनेगी देश की पहली एआई सिटी

लखनऊ । उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ को देश के उभरते हुए आईटी हॉस्पॉट के तौर

पर स्थापित करने के लिए नादरगंज क्षेत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंससिटी के विकास की प्रक्रिया को हरी झंडी दे दी गई है। सीएम योगी के दिशा-निर्देश में एक विस्तृत कार्ययोजना बनाई गई है जिसको क्रियान्वित करते हुए यूपी इलेक्ट्रॉनिक्स कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने प्रक्रिया शुरू की है।

2047 तक 'विकसित भारत' बनाने के संकल्प के केंद्र में छोटे शहरों का विकास

जब सभी से उम्मीद खत्म हो जाती है तब 'मोदी की गारंटी' शुरू होती है : पीएम

भाषा ▸▸ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को भारत को विकसित देश बनाने के लिहाज से छोटे शहरों के विकास को अहम बताते हुए कहा कि 'जब सभी से उम्मीद खत्म हो जाती है, तब 'मोदी की गारंटी' शुरू होती है।' मोदी ने कहा कि वर्ष 2047 तक 'विकसित भारत' बनाने के उनके संकल्प के केंद्र में छोटे शहरों का विकास है। 'वीडियो कॉन्फ्रेंस' के जरिए 'विकसित भारत संकल्प यात्रा' के लाभार्थियों को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा, ''विकसित भारत के संकल्प के साथ 'मोदी की गारंटी गाड़ी' देश के हर कोने तक पहुंच रही है।'' उन्होंने कहा कि एक महीने में 'विकसित भारत संकल्प यात्रा' हजारों गांवों और शहरों तक पहुंच गई जिन्में ज्यादातर छोटे कस्बे हैं। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार एक परिवार के सदस्य की तरह हर किसी की समस्याओं को कम करने की कोशिश कर रही है।

पांच राज्यों में 'विकसित भारत संकल्प यात्रा' को हरी झंडी दिखा कर किया रवाना

हमारी सरकार ने गरीबों, किसानों, छोटे व्यापारियों की मदद की

मोदी ने कहा, ''यह हमारी सरकार है जिसने गरीबों, किसानों, छोटे व्यापारियों और समाज के विभिन्न वर्गों की मदद की है। मोदी की गारंटी बाकी सभी से उम्मीद खत्म होने के बाद शुरू होती है।'' प्रधानमंत्री ने कहा कि आजादी के बाद लंबे समय तक विकास का लाभ कुछ बड़े शहरों तक ही सीमित था, लेकिन उनकी सरकार छोटे शहरों के विकास पर ध्यान केंद्रित कर रही है और इससे विकसित भारत की नींव मजबूत होगी। उन्होंने सभी से विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने का भी आग्रह किया। उन्होंने कहा, ''भले ही मोदी ने विकसित भारत संकल्प यात्रा को हरी झंडी दिखा दी है, लेकिन सच्चाई यह है कि आज उस यात्रा की कमान देशवासियों ने अपने हाथ में ले ली है। जिस स्थान पर यात्रा रुकती है, वहां दूसरे गांवों या शहरों के लोग यात्रा का नेतृत्व करने लगते हैं।'' मोदी ने पांच राज्यों - राजस्थान, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, तेलंगाना और मिजोरम - में 'विकसित भारत संकल्प यात्रा' को हरी झंडी दिखा कर रवाना किया।

आत्मनिर्भर महिलाएं दूसरों के लिए वरदान बन रहीं

मोदी ने कहा कि यह यात्रा अन्य राज्यों में पहले ही शुरू हो गई थी, लेकिन इन पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव की वजह से लागू आदर्श आचार संहिता के कारण इसकी शुरुआत में देरी हुई। मोदी ने विभिन्न राज्यों के उन लाभार्थियों से बातचीत भी की जिन्होंने विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ उठाया है। प्रधानमंत्री ने एक लाभार्थी से बातचीत करते हुए कहा कि देश की 'आत्मनिर्भर' महिलाएं न केवल अपना भरण-पोषण कर रही हैं, बल्कि दूसरों के लिए भी वरदान बन रही हैं। इससे पहले कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि अब हर किसी का काम तेजी से होता है क्योंकि देश की जनता 'मोदीजी के लिए वीआईपी' बन गई है। वर्ष 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने का आह्वान करने वाले मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए 'विकसित भारत संकल्प यात्रा' के लाभार्थियों से बातचीत की। इस कार्यक्रम में देशभर से 'विकसित भारत संकल्प यात्रा' के हजारों लाभार्थी शामिल हुए।

कांग्रेस सांसद के यहां मिले 351 करोड़ रु.

धीरज साहू गांधी परिवार का एटीएम, जवाब तो देना होगा

कटक में स्कूल की 150वीं वर्षगांठ में शिक्षा मंत्री प्रधान ने दी प्रतिक्रिया

एजेंसी ▸▸ कटक

कांग्रेस सांसद धीरज साहू के घर एवं दूसरे ठिकानों से करोड़ों रुपये बरामद होने के मामले में शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने गांधी

परिवार पर निशाना साधा है।उन्होंने कहा कि धीरज साहू गांधी परिवार का एटीएम है। ये तमाम रुपए राहुल गांधी और प्रियंका गांधी एवं उनके परिवार का है। शिक्षा मंत्री कटक में आयोजित एक स्कूल के 150वीं वर्षगांठ में हिस्सा लेने के मौके पर दिए अपनी प्रतिक्रिया में यह बात कही है। ओडिशा समेत देश के विभिन्न जगह पर आयकर विभाग की ओर से हुई छापेमारी में झारखंड के कांग्रेस सांसद धीरज साहू के घर से एवं उनके शराब फैक्ट्री और विभिन्न ठिकानों से करोड़ों रुपए बरामद हुए। साहू ने शुक्रवार को अपने प्रतिक्रिया में कहा है कि वह तमाम रुपए उनके परिवार का है। इन पैसों के लाभार्थी कौन है, जवाब उन्हें देना होगा।

2- 3 राज्यों में था शराब का कारोबार

झारखंड, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों के आबकारी नीति निर्धारक थे। ओडिशा से सबसे ज्यादा राशि बरामद की गई है और वजह है कि यहां पर आबकारी नीति में भ्रष्टाचार ही प्रमुख वजह है। यहां की भ्रष्ट आबकारी नीति में दीमक लगने के कारण यह देखने को मिला है।उन्होंने कहा कि इस घटना में जो भी शामिल है, उसे जवाब देना होगा। छुपाने से कुछ नहीं होगा। एजेंसी जांच में जुटी है। आज भी देश के विभिन्न ठिकानों पर इस घटना को लेकर जांच जारी है। 500 करोड़ से अधिक रुपए का पता लग चुका है।

कांग्रेस नेता ने केंद्र सरकार पर साधा निशाना

संसद की सुरक्षा में चूक की घटना का कारण बेरोजगारी और महंगाई : राहुल

नई दिल्ली (भाषा)। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने शनिवार को कहा कि संसद की सुरक्षा में चूक की घटना के पीछे का कारण बेरोजगारी और महंगाई हैं। सुरक्षा चूक की घटना के बारे में पूछे जाने पर राहुल गांधी ने यहां संवाददाताओं से यह बात कही। लोकसभा चुनाव की तैयारियों के संदर्भ में गुजरात प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ नेताओं के साथ एक बैठक के बाद उन्होंने कहा, ''सुरक्षा में चूक हुई है, लेकिन यह क्यों हुई? सबसे बड़ा मुद्दा बेरोजगारी का है, जिसे लेकर पूरे देश में उबाल है।'' उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की नीतियों के कारण हिंदुस्तान के युवाओं को रोजगार नहीं मिल रहा है।

- **भाजपा का पलटवार, राहुल और 'इंडिया' गठबंधन के नेताओं को घटना में शामिल लोगों से घनिष्ठ संबंधों के बारे में बताना चाहिए।**

राहुल गांधी ने कहा, सुरक्षा में चूक जरूर हुई है, लेकिन इसके पीछे कारण बेरोजगारी और महंगाई हैं।' बाद में राहुल गांधी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''नौकरियां कहां हैं? युवा हताश हैं - हमें इस मुद्दे पर ध्यान केंद्रित करना है, युवाओं को नौकरी देनी है। सुरक्षा चूक ज़रूर हुई है, मगर इसके पीछे का कारण देश का सबसे बड़ा मुद्दा - बेरोज़गारी है।'' भारतीय जनता पार्टी के आईटी प्रकोष्ठ के प्रमुख अमित मालवीय ने कांग्रेस नेता पर पलटवार करते हुए 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''राहुल गांधी और 'इंडिया' गठबंधन के नेताओं को संसद की सुरक्षा में चूक की घटना में शामिल लोगों के कांग्रेस, टीएमसी और माकपा के साथ घनिष्ठ संबंधों के बारे में बताना चाहिए। राहुल गांधी को, विशेष रूप से उस असीम सरोदे के साथ अपने संबंधों को स्पष्ट करना चाहिए। जो 'भारत जोड़ो यात्रा' का हिस्सा थे और संसद में घुसने वालों को कानूनी सहायता प्रदान करने की पेशकश की है।'' कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने एक बार फिर कहा कि गृह मंत्री को संसद के भीतर सुरक्षा चूक के विषय पर वक्तव्य देना चाहिए।

राघव चड्ढा राज्यसभा में आप के नेता नियुक्त

नई दिल्ली। आप ने अपने सांसद राघव चड्ढा को संजय सिंह के स्थान पर राज्यसभा में पार्टी का नेता

नियुक्त किया है। राज्यसभा सभापति को लिखे पत्र में आप पार्टी के नेतृत्व ने कहा है कि संजय सिंह की अनुपस्थिति में, जिन्हें 'स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं' हैं। राघव अब से उच्च सदन में पार्टी के नेता होंगे। आप के राज्यसभा सदस्य संजय फिलहाल जेल में हैं।

राम मंदिर के 14 दरवाजों पर चढ़ेगी सोने की परत हैदराबाद के कारीगरों ने तांबे से की सुंदर नक्काशी

एजेंसी ▸▸ अयोध्या

अयोध्या में बन रहे भव्य राम मंदिर में कुल 46 दरवाजे होंगे। इसमें से 18 दरवाजे ग्राउंड फ्लोर पर लगेंगे। इन 18 में से 14 दरवाजों पर सोने की परत चढ़ेगी। महाराष्ट्र के चंद्रपुर के सागौन की खास लकड़ी से बने इन दरवाजों पर हैदराबाद के कारीगरों ने नक्काशी की है। इसके बाद इन पर तांबे की परत चढ़ाई गई। अब इस पर सोने की परत लगाने का काम जनवरी के पहले सप्ताह तक पूरा कर लिया जाएगा।

गर्भगृह का सिंहासन भी बन चुका

इसी तरह राम मंदिर के गर्भगृह का सिंहासन भी बनकर तैयार हो चुका है। यहां भी सोने का काम होना बाकी है। श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की कोशिश है कि 22 जनवरी 2024 को रामलला की प्राण प्रतिष्ठा से पहले होने वाले सभी निर्माण कार्य दिसंबर के अंत तक पूरे कर लिए जाए। बचे हुए कामों को हर हाल में जनवरी के पहले सप्ताह तक पूरा कर लिया जाएगा। इसके बाद सभी कार्यों की समीक्षा शुरू होगी। 22 जनवरी को राम मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा होनी है। इससे पहले अयोध्या में एक महायज्ञ भी शुरू हुआ है। जो प्राण प्रतिष्ठा तक लगातार जारी रहेगा। इसका उद्देश्य है कि रामलला की प्राण प्रतिष्ठा में कोई व्यवधान न आए। राम मंदिर का ग्राउंड फ्लोर पूरी तरह से बनकर तैयार है। यहां लगने वाले 14 स्वर्ण जड़ित दरवाजों की जिम्मेदारी गाजियाबाद की एक ज्वेलर्स कंपनी को दी गई है।